मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 182
बुधवार, 14 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

ईरान संकट पर अमेरिका और रूस आमने-सामने, ट्रंप के 'मदद' के वायदे तो रूस ने दी कड़ी चेतावनी

नई दिल्ली, 13 जनवरी। रूस ने अमेरिका को कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा है कि ईरान पर नए सैन्य हमलों की धमकी पूरी तरह अस्वीकार्य है। रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह ईरान के आंतरिक मामलों में खतरनाक और साजिश भरी दखल अंदाजी कर रहा है। रूसी विदेश मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि अमेरिका को यह समझना चाहिए कि ऐसे कदमों के मध्य पूर्व और पूरी दुनिया की सुरक्षा पर विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं।

रूस ने खास तौर पर चेताया कि अगर कोई देश बाहर से भड़काए गए प्रदर्शनों को बहाना बनाकर, जून 2025 की तरह ईरान पर फिर से हमला करता है, तो इसके नतीजे बेहद गंभीर होंगे। रूस ने साफ कहा कि इससे सिर्फ मध्य पूर्व ही नहीं, बल्कि पूरी वैश्विक शांति खतरे में पड़ सकती है।

इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के प्रदर्शनकारियों से विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की और कहा कि मदद रास्ते में है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म Truth Social पर लिखाः ईरान के देशभक्तों, प्रदर्शन जारी रखो, अपने संस्थानों पर कब्जा करो। हत्यारों और अत्याचारियों के नाम सुरक्षित रखो। उन्हें बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं जब तक कि प्रदर्शनकारियों की हत्या बंद नहीं होती। मदद रास्ते में है। यह बयान ऐसे समय आया है जब रिपोर्टों के मुताबिक ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को कुचलने

के दौरान अब तक करीब 2,000 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले भी ट्रंप कह चुके हैं कि अमेरिका के पास ईरान के खिलाफ बहुत मजबूत सैन्य विकल्पह्न हैं। इस बयान पर ईरान ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। ट्रंप ने ईरान पर दबाव बढ़ाते हुए एक और बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने ऐलान किया है कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उस पर अमेरिका के साथ होने वाले व्यापार पर 25% टैक्स (टैरिफ) लगाया जाएगा। ट्रंप ने लिखाः तुरंत प्रभाव से, जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उस पर अमेरिका के साथ होने वाले हर व्यापार पर 25% टैक्स लगेगा। यह आदेश अंतिम और निर्णायक है। अभी तक ईरान की तरफ से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन चीन ने इसका कड़ा विरोध किया है। चीन ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। साल 2024 में ईरान के कुल तेल निर्यात का 77% हिस्सा चीन ने खरीदा था।

अमेरिका में चीन के दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंगयू ने कहाः टैरिफ युद्ध और व्यापार युद्ध में कोई विजेता नहीं होता। दबाव और धमकी से समस्याओं का समाधान नहीं निकलता। संरक्षणवाद सभी देशों के हितों को नुकसान पहुंचाता है। एक तरफ अमेरिका ईरानी प्रदर्शनकारियों को समर्थन दे रहा है और दूसरी तरफ रूस चेतावनी दे रहा है कि अगर ईरान पर हमला हुआ तो इसके भयानक वैश्विक नतीजे होंगे। इससे साफ है कि ईरान का संकट अब केवल देश के अंदर की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे विश्व की राजनीति और सुरक्षा को हिला सकता है।

'ऑपरेशन सिंदूर' 88 घंटे, 100 पाकिस्तानी सैनिक ढेर और 22 मिनट का रिसेट: आर्मी चीफ

नई दिल्ली, 13 जनवरी। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सीमा पार पनप रहे आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को एक बार फिर कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने साफ किया कि भारतीय सेना 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद भी पूरी तरह सतर्क है और किसी भी दुस्साहस का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। जनरल द्विवेदी के अनुसार, भारतीय खुफिया एजेंसियां इन कैंपों पर पल-पल की नजर रख रही हैं। उन्होंने साफ किया कि यदि इन ठिकानों से भारत के खिलाफ कोई भी उकसावे वाली कार्रवाई होती है, तो सेना दोबारा सख्त सैन्य कार्रवाई करने से पीछे नहीं हटेगी।

सेना प्रमुख ने विवरण साझा करते हुए बताया कि इन 8 सक्रिय कैंपों में से 2 अंतरराष्ट्रीय सीमा पर और 6 नियंत्रण रेखा के करीब स्थित हैं। खुफिया जानकारी के

अनुसार, इन कैंपों में फिलहाल 100 से 150 आतंकी मौजूद हैं, जो भारत में अस्थिरता फैलाने की योजना बना रहे हैं।

हाल ही में हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए जनरल द्विवेदी ने बताया कि यह अभियान बेहद सफल रहा, जिसमें 9 में से 7 लक्ष्यों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 10 मई के बाद से जम्मू-कश्मीर में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। ऑपरेशन के बाद दोनों देशों के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों के बीच हुई बातचीत के बाद अग्रिम मोर्चों से सेनाओं की तैनाती कम की गई है और तनाव के समय हुए सैन्य मूवमेंट को वापस पुरानी जगहों पर भेज दिया गया है।

परमाणु हथियारों को लेकर हाल ही में आए बयानों पर स्थिति स्पष्ट करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि सैन्य स्तर की बातचीत में कभी भी परमाणु मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे बयान राजनेताओं के मंच से आए हैं और सेना की ओर से ऐसा कोई संदेश नहीं दिया गया है। भारत ने पहली बार अपनी पारंपरिक और परमाणु क्षमता के बीच के 'ग्रे जोन' का इस्तेमाल कर पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाया है।

बीएमसी चुनावों के बीच सांप्रदायिक टिप्पणियों पर अजित पवार ने जताई चिंता

मुंबई, 13 जनवरी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने मंगलवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों को सांप्रदायिक रंग दिए जाने की कड़ी निंदा की। उन्होंने अपने धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण को दोहराते हुए कहा कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में हर कोई समान रूप से नागरिक है। अजीत पवार ने एएनआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं है। मैं धर्मनिरपेक्ष हूं। अंबेडकर की विचारधारा हमें यह नहीं सिखाती। मुझे बस इतना कहना है कि हमारा देश इतना बड़ा है और इस देश में रहने वाले सभी लोग भारतीय हैं। अगर कोई देशद्रोह कर रहा है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए और उसे मौत की सजा दी जानी

चाहिए, इसके लिए एक नया कानून बनाया जाना चाहिए।

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा का हवाला देते हुए पवार ने कहा कि सभी को अपना काम दिखाने और करने का अवसर मिलना चाहिए। बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान में यही बात कही है और अन्य लोगों ने भी यही कहा है। पवार का यह बयान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के उस बयान के एक दिन बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि नए बीएमसी मेयर रमहायुति समुदाय से होंगे, हिंदू होंगे और मराठी होंगे। मराठी मानुष को खतरे में होने के विपक्ष के दावों का खंडन करते हुए फडणवीस ने कहा कि मराठी समुदाय नहीं, बल्कि कुछ राजनीतिक ताकतें हैं जिनका अस्तित्व खतरे में है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महाराष्ट्र सभी मराठी लोगों का है, किसी एक समूह का नहीं। फडणवीस ने कहा कि मराठी लोगों का अस्तित्व खतरे में नहीं है। आपका अस्तित्व खतरे में है। मैं फिर से कहना चाहता हूं कि आप पूरा महाराष्ट्र नहीं हैं। आप यहां अकेले मराठी नहीं हैं। मैं दोहराना चाहता हूं कि बीएमसी में केवल मराठी व्यक्ति ही सत्ता में होंगे। केवल मराठी ही नेतृत्व करेंगे।

मुझे हिन्दू होने पर गर्व है: योगी आदित्यनाथ

लाल शेखर सिंह

मुंबई (उत्तरशक्ति)। एक रहोगे तो सेफ रहोगे, चुनावी माहौल को देखते हुए योगी आदित्यनाथ ने यह बयान दिया कि जागो जागो जागो गर्व करो अपने हिन्दू होने पर। यह हम सभी सनातनियों को समझना होगा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम सनातनियों की एकता को देखकर अलगाववादी ताकते हमें बांटने और तोड़ने का समाज और राष्ट्रविरोधी कार्य करने में लगी हुई है। आप सभी को मिलकर इन्हें रोकना होगा ।हमारी डबल इंजन की सरकार भी ऐसी ताकतों को रोकने के लिए पूर्ण रूप से कटिबद्ध है ।जिससे अयोध्या की भाँति दिव्यता और भव्यता से सनातन की पताका पूरी दुनिया में लहरा सकें। हिन्दुओं समझो खास कर महाराष्ट्र के सभी महानगर पालिकाओं को एक संदेश दिया है कि गर्व करो हिन्दू होने का अर्थ सभी जगहों पर कैसे भी करें महापौर भाजपा या भाजपा समर्थित पार्टियों का ही होना चाहिए। ध्यान रखना मिस्टेक नही होनी चाहिए क्योंकि एक रहोगे

तो नेक रहोगे बार बार यही कहते हैं। क्योंकि जब कोई यह बात कहता है कि एक दिन हिजाब वाली महिला पंतप्रधान बनेंगी, इन्हीं वक्तव्यों को ध्यान में रखते हुए, देश के सभी साधू संतों ने भी आव्हान किया है कि जागो जागो जागो गर्व से कहो हम हिन्दू है। मुम्बई सहित आस पास जैसे थाने, पालघर जिले में वसई विरार महानगर पालिकाओं को जगाने के लिए यह बयान दिया गया है, याद रखना आपकी छोटी सी गलती गले में काटा ना बन जाए नीचे से लेकर ऊपर तक सभी नेताओं की यही इच्छा है कि सभी जगहों पर महापौर भाजपा या भाजपा समर्थित पार्टियों का ही होना चाहिए इन्हीं वक्तव्यों को देखते हुए सूत्रों से पता चला है कि वसई विरार महानगर पालिका में भाजपा प्रत्याशियों को जिताने के लिए जनता ने अपना मूड बना लिया है। योगी आदित्यनाथ के इन्हीं वक्तव्यों को देखते हुए वसई-विरार महानगर महापालिका क्षेत्र के सभी भाजपा एवं भाजपा समर्थित प्रत्याशी उत्साहित एवं अपनी जीत के प्रति आश्वस्त हैं।

कोयला खदान में हुआ बड़ा हादसा, भूस्खलन में 3 मजदूरों की दर्दनाक मौत

बर्धमान, 13 जनवरी। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल (कुल्टी इलाके) में मंगलवार सुबह एक भयानक हादसा हो गया। बीसीसीएल की एक खुली कोयला खदान में अवैध खनन के दौरान अचानक भूस्खलन (धंसान) हो गया। यह हादसा बड़ीरा इलाके में हुआ, जहां कुछ मजदूर अवैध तरीके से कोयला निकाल रहे थे। तभी खदान के अंदर बनी सुरंग अचानक भरभराकर गिर गई और कई मजदूर मलबे के नीचे दब गए।

अब तक 3 मजदूरों की मौत हो चुकी है। 2 मजदूर गंभीर रूप से घायल हैं, जिनका इलाज आसनसोल जिला अस्पताल में चल रहा है। प्रशासन को डर है कि कुछ और लोग अब भी मलबे में फंसे हो सकते हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां मजदूर रैट-होल माइनिंग करते हैं, यानी चूहे की तरह बहुत पतली और खतरनाक सुरंग बनाकर जमीन के अंदर उतरते हैं। यह तरीका बेहद जानलेवा होता है, क्योंकि जरा सी हलचल से पूरी सुरंग गिर सकती है। हादसे के बाद इलाके में परिजनों और

ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई है। लोगों का आरोप है कि कोयला माफिया के लोग परिजनों को हटाने की कोशिश कर रहे हैं। ताकि हादसे को दबाया जा सके और अवैध खनन का भंडाफोड़ न हो। बीजेपी विधायक अजय पोद्दार ने इस घटना को लेकर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा - गरीब ग्रामीण अपनी जान जोखिम में डालकर रैट-होल माइनिंग करते हैं। इस खतरनाक धंधे में कोयला सिंडिकेट, पुलिस और सिस्टम की मिलीभगत है। इसी का नतीजा है कि लोग मर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गरीब मजदूरों की जान की कोई कीमत नहीं बची है।

सनातन धर्म की आस्था को ठेस पहुंचाना आसान नहीं: अमित शाह

नई दिल्ली, 13 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमला देश के आत्मसम्मान और धार्मिक आस्था पर प्रहार माना जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कई बार ध्वस्त होने के बावजूद, यह मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि सनातन धर्म को ठेस पहुंचाना आसान नहीं है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि पूरा वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाया जाएगा। मानसा नगरपालिका के विभिन्न विकास कार्यों के उद्घाटन और शिलान्यास समारोह में उपस्थित शाह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर पर हमले ऐतिहासिक रूप से देश के आत्मसम्मान और धार्मिक आस्था पर प्रहार के रूप में देखे जाते रहे हैं, लेकिन ये प्रयास सनातन धर्म को कमजोर करने में विफल रहे ।शाह ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सोमनाथ पर हुए हमले को आत्मसम्मान और धर्म पर हमला माना गया और आत्मसम्मान की रक्षा की गई। 16 बार नष्ट होने के बावजूद, भव्य सोमनाथ मंदिर दृढ़ता से खड़ा है। उन्होंने आगे कहा कि मंदिर की अटूट उपस्थिति विश्व को एक सशक्त संदेश देती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यह पूरे विश्व को संदेश देता है कि सनातन धर्म और भारत के लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाना आसान नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि पूरे वर्ष सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जाएगा।

इस बीच, गुजरात सरकार ने जनभावनाओं और मांगों को ध्यान में रखते हुए सोमनाथ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का उत्सव 15 जनवरी

तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में 8 से 11 जनवरी तक सोमनाथ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का भव्य आयोजन किया गया। रविवार को अपने संबोधन में भी प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों की भगवान भोलेनाथ में आस्था, भक्ति और अटूट विश्वास को देखते हुए, इस पर्व से अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिलना चाहिए। विज्ञप्ति के अनुसार,इस संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए प्रवक्ता और कृषि मंत्री जीतूभाई वाघानी ने बताया कि प्रधानमंत्री की प्रेरणादायक उपस्थिति में सोमनाथ में 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' ऐतिहासिक ढंग से मनाया जा रहा है।

सूचना

मकर सक्रांति के शुभ अवसर पर दिनांक 14-1-2026 को उत्तरशक्ति प्रेस एवं कार्यलय बंद रहेगा अगला अंक दिनांक 16-1-2026 को प्रकाशित होगा।

–संपादक

भजन-राज यानी भरोसे के शासन में राजस्थान के नये आयाम

-ललित गर्ग

राजस्थान की राजनीति में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का हालिया दौरा किसी औपचारिक कार्यक्रम या शिष्टाचार भर तक सीमित नहीं था, वह एक स्पष्ट राजनीतिक संकेत, एक भरोसे की सार्वजनिक मुहर और एक स्थायित्व का उद्घोष था। जाते-जाते मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पीठ थपथपाकर अमित शाह ने यह जता दिया कि प्रदेश की कमान अब पूरी तरह ऐसे नेतृत्व के हाथों में है, जिस पर केंद्रीय आलाकमान को केवल विश्वास ही नहीं, बल्कि गहरा संतोष भी है। जिसे कभी राजनीतिक गलियारों में सरप्राइज पैकेज कहकर देखा गया था, वही नेतृत्व आज राजस्थान की स्थिरता, सुशासन और भविष्य की ठोस नींव के रूप में स्थापित हो चुका है और राजस्थान की स्वर्णगाथा लिखने को तत्पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राजनीति का एक विशिष्ट और लगातार सफल रहा प्रयोग यह रहा है कि वे सत्ता और संगठन में नए चेहरों को निर्णायक जिम्मेदारियां सौंपने से नहीं हिचकते। पर्दे के पीछे वर्षों तक ईमानदारी और निष्ठा से काम करने वाले कार्यकताओं को अचानक मुख्यमंत्री, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष या राज्यपाल जैसे पदों पर आसीन करना मोदी की राजनीतिक शैली का साहसिक पक्ष रहा है। इन निर्णयों ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि राजनीति में अनुभव के साथ-साथ चरित्र, प्रतिबद्धता और संगठन के प्रति निष्ठा भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजस्थान में भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाना भी ऐसा ही एक निर्णय था, जिसने आरंभ में अनेक लोगों को आश्चर्य में डाला। किंतु समय ने सिद्ध कर दिया कि यह निर्णय भावनात्मक नहीं, बल्कि गहरी राजनीतिक समझ और दूरदृष्टि पर आधारित था।

मुख्यमंत्री पद संभालते ही भजनलाल शर्मा ने यह साफ कर दिया कि वे सत्ता को साधन मानते हैं, साध्य नहीं। उनका एजेंडा कुर्सी बचाने का नहीं, बल्कि व्यवस्था बदलने का है। राजस्थान लंबे समय तक गुटीय राजनीति, शक्ति-संतुलन और पर्दे के पीछे चलने वाले समीकरणों से जूझता रहा है। सत्ता के भीतर ही सत्ता को चुनौती देने वाली प्रवृत्तियां यहां सामान्य रही हैं।

भजनलाल शर्मा ने बिना किसी टकराव, बिना शोर-शराबे और बिना किसी को अपमानित किए, इन सभी प्रवृत्तियों को धीरे-धीरे अप्रासंगिक कर दिया। उन्होंने शासन को व्यक्ति-केंद्रित नहीं, बल्कि प्रणाली-केंद्रित बनाया। यही कारण है कि आज निर्णय तेजी से होते हैं, उन पर अमल भी होता है और उनकी जवाबदेही भी तय होती है। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी पहचान जीरो टॉलरेंस की नीति है, जो केवल कागजों या भाषणों तक सीमित नहीं रही। विशेष रूप से पेपर लीक माफिया के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सरकार की मंशा और मुख्यमंत्री के साहस को स्पष्ट रूप से उजागर किया। वर्षों से यह माफिया लाखों युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करता रहा, लेकिन राजनीतिक संरक्षण के चलते उस पर हाथ डालने का साहस कोई नहीं कर पाया। भजनलाल शर्मा ने सत्ता संभालते ही इस समस्या को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया। एसआईटी के गठन, त्वरित जांच, बड़े नामों की गिरफ्तारी और बिना किसी दबाव के निष्पक्ष कार्रवाई ने यह सिद्ध कर दिया कि यह सरकार केवल घोषणाओं में नहीं, परिणामों में विश्वास रखती है। इससे न केवल युवाओं का भरोसा लौटा, बल्कि यह संदेश भी गया कि अब राजस्थान में कानून से बड़ा कोई नहीं है। इसी प्रकार, दशकों से प्यास से जूझ रहे राजस्थान के लिए ईआरसीपी परियोजना पर मध्य प्रदेश के साथ हुआ ऐतिहासिक समझौता मुख्यमंत्री की राजनीतिक परिपक्वता और संवाद क्षमता का प्रमाण है। जिस योजना को वर्षों तक केवल चुनावी वादों और फाइलों में उलझाकर रखा गया था, उसे उन्होंने केंद्र सरकार के सहयोग और पड़ोसी राज्य के साथ सकारात्मक संवाद के जरिए वास्तविकता में बदलने का मार्ग प्रशस्त किया। यह निर्णय बताता है कि भजनलाल शर्मा टकराव की राजनीति के बजाय समाधान की राजनीति में विश्वास रखते हैं। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर भी उनकी सरकार ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अपराध और अपराधियों के लिए अब कोई नरमी नहीं है। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन, संगठित अपराध के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपराधियों में कानून का भय-ये सभी कदम इस बात के प्रमाण हैं कि राज्य में सत्ता का इकबाल लौट रहा है। आम नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है और अपराधी खुद को असुरक्षित। यह सुशासन का सबसे ठोस संकेत होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकसित भारत की संकल्पना को राजस्थान में जमीन पर उतारने में भी मुख्यमंत्री की सक्रियता स्पष्ट दिखाई देती है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाएं पहुंचें, यह केवल नारा नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकता बनी है। फैसलों में स्पष्टता, गति और निष्पक्षता-इन तीनों का संतुलन उनकी कार्यशैली को विशिष्ट बनाता है। यही कारण है कि विपक्ष भी आज ठोस आलोचना के बिंदु खोजने में असहज नजर आता है। भजनलाल शर्मा के शासन की चर्चा करते समय उनके चारित्रिक और व्यक्तिगत गुणों का उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। राजनीति में जहां दिखावा, आडंबर और अहंकार आम बात हो चली है, वहीं भजनलाल शर्मा अपनी सरलता, सहजता और सादगीपूर्ण जीवनशैली के लिए पहचाने जाते हैं। सत्ता में आने के बाद भी उनके व्यवहार, भाषा और जीवन-शैली में कोई कृत्रिम बदलाव नहीं आया। वे निर्णय लेते समय दृढ़ होते हैं, लेकिन संवाद में विनम्र रहते हैं। उनका राजनीतिक कौशल शोर में नहीं, बल्कि परिणामों में दिखाई देता है। वे जानते हैं कि कब कठोर होना है और कब संयम रखना है। यही संतुलन उन्हें भीड़ से अलग करता है। संगठन के प्रति निष्ठा, कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान और जनता के प्रति उत्तरदायित्व-ये सभी गुण उनके नेतृत्व को नैतिक आधार प्रदान करते हैं। राजस्थान के अब तक के मुख्यमंत्रियों का शासन बहुआयामी अनुभवों से भरा रहा है, जिसमें प्रशासनिक दक्षता, सामाजिक न्याय, विकासात्मक प्राथमिकताओं और राजनीतिक स्थिरता-इन सभी के विविध रूप देखने को मिलते हैं। हीरालाल शास्त्री और जय नारायण व्यास जैसे प्रारंभिक मुख्यमंत्रियों ने लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रशासनिक ढांचे की नींव रखी। मोहनलाल सुखाड़िया का दीर्घकालीन शासन सिंचाई, पंचायतीराज और सामाजिक सुधारों के लिए स्मरणीय रहा, जिसे आधुनिक राजस्थान की आधारशिला माना जाता है। बाद के वर्षों में हरिदेव जोशी, शिवचरण माथुर और अशोक गहलोत ने कल्याणकारी योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा-स्वास्थ्य और विकेंद्रीकरण पर बल दिया, जबकि भैरोंसिंह शेखावत और वसुंधरा राजे के शासन में आधारभूत संरचना, औद्योगिक निवेश, सड़क-बिजली और प्रशासनिक सख्ती पर अधिक जोर दिखा। इन सबके तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य में भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाकृत नया होते हुए भी सुशासन, अनुशासन और डिलिवरी के संकल्प के साथ आगे बढ़ता दिखाई देता है। उनका फोकस प्रशासनिक चुस्ती, कानून-व्यवस्था, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, केंद्र-राज्य समन्वय और योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर है। पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों के शासन जहाँ दीर्घ अनुभव और स्थापित नीतिगत पहचान के लिए जाने जाते हैं, वहीं भजनलाल शर्मा का शासन अपेक्षाओं, परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति और नई कार्यशैली के परीक्षण के दौर में है। इस प्रकार राजस्थान की राजनीति में उनका कार्यकाल परंपरा और परिवर्तन-दोनों के बीच एक सेतु की तरह देखा जा सकता है, जहाँ पूर्व शासनों की उपलब्धियों से सीख लेकर भविष्य के लिए अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी शासन मॉडल गढ़ने का प्रयास परिलक्षित होता है। आज राजस्थान में भजन राज का अर्थ केवल सत्ता का संचालन नहीं, बल्कि भरोसे का शासन है। ऐसा शासन, जहां कार्यकर्ता खुद को गौरवान्वित महसूस करता है और आम नागरिक खुद को सुरक्षित। केंद्रीय आलाकमान की खुली छूट और अमित शाह की पीठ थपथपाहट ने मुख्यमंत्री को और अधिक ऊर्जा से काम करने का संबल दिया है। यह संकेत साफ है कि भजनलाल शर्मा अब केवल एक प्रयोग नहीं, बल्कि एक स्थापित, विश्वसनीय और सक्षम नेतृत्व के रूप में स्वीकार किए जा चुके हैं। जो लोग अब भी किसी बड़े बदलाव या सत्ता-समीकरण के इंतजार में हैं, उन्हें यह समझ लेना चाहिए कि भजनलाल शर्मा का नेतृत्व कोई संयोग नहीं, बल्कि राजस्थान को एक स्थिर, सुशासित और स्वर्णिम भविष्य की ओर ले जाने वाला सुविचारित संकल्प है। ये केंद्रीय नेतृत्व की कसौटी पर 24 कैरट खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनके अब तक के कार्य इस प्रतिबद्धता की ठोस गवाही देते हैं।

जहां काशी में प्रकट हुए हारे के सहारे श्याम बाबा

-सुरेश गांधी

भारत की आध्यात्मिक चेतना दो पवित्र ध्रुवों के बीच निरंतर प्रवाहित होती रही है, सीकर का खाटू, जहां बर्बरीक से श्याम बने हारे के सहारे विराजते हैं, और काशी, जहां कण-कण में मोक्ष का नाद बसता है। राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम जी का मुख्य मंदिर वह पावन धाम है, जहां महाभारत काल के वीर बर्बरीक आज भी भक्तों की पीड़ा हरते हैं। वहीं दूसरी ओर, शिव की नगरी काशी में, लक्सा क्षेत्र में स्थापित श्री श्याम मंदिर यह प्रमाण देता है कि श्याम की कृपा किसी एक भूगोल तक सीमित नहीं, बल्कि जहां सच्ची श्रद्धा है, वहीं उनका वास है। कहा जाता है कि काशी में सभी देवी-देवता विराजमान हैं, पर जब श्याम बाबा ने स्वप्न के माध्यम से अपनी उपस्थिति का प्रश्न उठाया, तब भक्तों की आस्था ने काशी में भी श्याम धाम की नींव रख दी। खाटू से चली यह भक्ति-धारा काशी में आकर और गहरी हो गई। आज खाटू और काशी, दोनों धाम एक ही भाव को प्रकट करते हैं, जो हार गया है, वही श्याम का सबसे बड़ा अधिकारी है। इसी विश्वास ने श्याम बाबा को युगों-युगों तक ह्वहारे का सहाराह्ल बनाए रखा है

काशी... जहां गंगा बहती नहीं, बल्कि मोक्ष का मार्ग रचती है। जहां हर गली में शिव का वास है, हर कण में नारायण की चेतना है, हर श्वास में राम और हर नाद में कृष्ण की अनुभूति है। कहा जाता है, ह्लकाशी में जो आया, वह अकेला नहीं लौटा।ह्व लेकिन इसी काशी ने एक बार स्वयं से प्रश्न किया, जब यहां सब देवता विराजमान हैं, तो श्याम बाबा कहां हैं? यही प्रश्न आगे चलकर आस्था का उत्तर बना, और उत्तर ने एक मंदिर नहीं, बल्कि विश्वास का जीवंत तीर्थ रच दिया, काशी का श्री श्याम मंदिर। स्वप्न, जो इतिहास बन गया. इस कथा की शुरूआत किसी शिलालेख से नहीं, किसी राजाज्ञा से नहीं, बल्कि भक्तों के स्वप्न से हुई। वर्ष 1972... कुछ रामभक्त और श्यामभक्त, जिनके कुलदेवता खाटू श्याम जी थे, काशी में नियमित रूप से कीर्तन-भजन किया करते थे। उन्होंने एक छोटा-सा संगठन बनाया, ह्लपाड़ा श्री श्याम मंडल।ह्व प्रारंभिक भजन-कीर्तन काशी विश्वनाथ के वाहन दंडी राज गणेश के भवन में होते थे। वहीं, एक रात भक्तों को एक अद्भुत स्वप्न आया। स्वप्न में स्वयं श्याम बाबा प्रकट हुए और शांत किंतु गूंजती वाणी में बोले, काशी में सब देवता विराजमान हैं.. पर मेरा कोई स्थान क्यों नहीं? स्वप्न टूटा, लेकिन प्रश्न जागता रह गया। भक्त चकित थे। सोचने लगे, बात तो सत्य है। काशी में शिव हैं, शक्ति हैं, राम हैं, कृष्ण हैं... पर खाटू के श्याम नहीं। यही वह क्षण था, जब आस्था ने दिशा ली। धीरे-धीरे खुलते कृपा के द्वार प्रभु की प्रेरणा मिलते ही कार्य आरंभ हुआ। एक छोटा-सा भवन मिला। वहीं से फिर भजन-कीर्तन गूंजने लगे। यह कोई भव्य शुरूआत नहीं थी, न धन था, न साधन, बस था तो विश्वास। और विश्वास जब सच्चा होता है, तो प्रभु स्वयं राह बनाते हैं। काशी का यह दिव्य श्री श्याम मंदिर लक्सा क्षेत्र में स्थित है, जहाँ तक श्रद्धालु गोदौलिया, नई सड़क रोड से सहजता से पहुँच सकते हैं। शहर के हृदयस्थल में स्थित यह मंदिर न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि अपनी सुलभता के कारण भी भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। गोदौलिया की चहल-पहल से होते हुए जब भक्त नई सड़क की ओर बढ़ते हैं, तो बाजारों, गलियों और जनजीवन के बीच अचानक श्याम नाम की गूंज सुनाई देने लगती है। यही वह मार्ग है, जहाँ सांसारिक कोलाहल से निकलकर भक्त धीरे-धीरे श्याममय शांति की ओर प्रवेश करता है। लक्सा स्थित यह श्याम धाम आज केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि काशी के मध्य में हारे हुए मनुष्य के लिए आशा का द्वार बन चुका है, जहाँ दूर-दराज से आए श्रद्धालु भी बिना कठिनाई प्रभु के दर्शन कर पाते है.

1995ः जब काशी में विराजे खाटू के श्याम

वर्ष 1995... वह दिन आज भी भक्तों के हृदय में दीप की तरह जलता है। राजस्थान के खाटू धाम से श्याम प्रभु की दिव्य प्रतिमा लाई गई। पूरे नगर में भव्य भ्रमण हुआ, ढोल-नगाड़े, निशान, जयकारे, और आँखों में अश्रु लिए भक्त। फिर वैदिक विधि-विधान से काशी की पावन भूमि पर श्याम प्रभु की स्थापना हुई। उस दिन के बाद, यह मंदिर केवल मंदिर नहीं रहा, यह आस्था का आश्रय बन गया।

जहां चमत्कार बोलते नहीं, घटित होते हैं

श्याम मंदिर के चमत्कार किसी प्रचार में नहीं, भक्तों की आँखों में देखे जा सकते हैं। मंदिर के सेवका संजय शास्त्री, जो 25 वर्षों से सेवा में हैं, कहते हैं, मैंने अपनी आँखों से देखा है, यहाँ जो सच्चे मन से आया, वह खाली नहीं लौटा।

संतान की कामना और एक वर्ष का चमत्कार

स्थापना के कुछ वर्ष बाद एक महिला आई। दस वर्षों से संतानहीन थी। वह प्रभु के चरणों में बैठ गई और बोली, अगर मेरे आँगन में किलकारी गूंजी, तो मेरा जीवन आपका होगा।ह्व और एक ही वर्ष में, उसके जीवन में मातृत्व उतर आया। आज उसका घर बच्चों की हँसी से भरा है।

अधिकारियों की उलझन और दो दिन की कृपा

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी पदोन्नति को लेकर परेशान थे। नाम लेना उचित नहीं, पर इतना कहना पर्याप्त है कि दो दिनों में उनका कार्य सिद्ध हो गया। चेतगंज फायर विभाग के एक अधिकारी जिनका तबादला सोनभद्र हो गया था, दो दिन मंदिर आए, चरणों में अर्जी लगाई, और आदेश बदल गया। मतलब साफ है यहाँ ऐसे छोटे-छोटे चमत्कार, रोज घटते हैं। पर भक्त कहते हैं, यहाँ चमत्कार नहीं, कृपा होती है।

स्वर्णिम गर्भगृहः जहाँ तेज बोलता है

आज श्याम मंदिर का गर्भगृह पूर्णतः स्वणार्भूषित है। पहले यह रजत था, फिर भक्तों और ट्रस्ट के सहयोग से लगभग तीन किलोग्राम शुद्ध स्वर्ण से इसका अलंकरण हुआ। धार्मिक मान्यता कहती है, धातुओं में मैं स्वर्ण हूँ। स्वर्णः तेज का प्रतीक, पवित्रता का प्रतीक, और प्रभु की दिव्यता का संकेत।

उत्सव, जो काशी को श्याममयी बना देते हैं

यह मंदिर अपने उत्सवों के लिए पूरे देश में जाना जाता है। बसंत पंचमीः अंतःवस्त्र का दिव्य रहस्य, बसंत पंचमी को प्रभु का अंतःवस्त्र परिवर्तन होता है। मान्यता है उस वस्त्र का एक इंच भी यदि किसी को मिल जाए, तो असाध्य रोग शांत हो जाते हैं। फाल्गुन शुक्ल एकादशीः सबसे बड़ा उत्सव, इस दिन हजारों निशान यात्राएं आती हैं। पूरी काशी श्याम नाम में डूब जाती है। 22 फरवरीः महमूरगंज की ऐतिहासिक शोभायात्राः 3 से 4 हजार निशान, भक्तों का सैलाब, नृत्य, भजन, जयकारे, जैसे काशी ही खाटू बन गई हो।

भारत का अनूठा मंदिर

यह शायद भारत का एकमात्र श्याम मंदिर है, जहाँ हर महीने दोनों एकादशियों पर रात्रि जागरण और अखंड दर्शन होते हैं।

झूलन उत्सव और हारे का सहारा

श्रावण मास में श्याम झूलन उत्सव, जिस दिन प्रभु खाटू में विराजे थे। यह जन्म नहीं, पाटोत्सव है। यहाँ मान्यता है, जो हारा हुआ यहाँ, वह श्याम के दरबार में कभी हारा नहीं रहता।

मंदिर की महत्ता

यह मंदिर, ईंट-पत्थर नहीं, यह भक्तों के विश्वास की देह है। यहाँ आकर कोई अमीर-गरीब नहीं, कोई बड़ा-छोटा नहीं। यहाँ बस एक पहचान है, ह्लश्याम का भक्त।ह्व मतलब साफ है काशी में शिव मोक्ष देते हैं, राम मयार्दा सिखाते हैं, कृष्ण कर्म का रहस्य बताते हैं और श्याम बाबा हारने वाले को उठाकर गले लगाते हैं। इसीलिए काशी कहती है, ह्लअगर सब कुछ हार गए हो, तो श्याम के पास आओ।ह्व

मन की पीड़ा को समझते है खाटूश्याम

श्री खाटू श्याम मंदिर, लक्सा संजय शास्त्री, कहते है यह मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, यह प्रभु की जीवंत कृपा का प्रमाण है. मैं पिछले पच्चीस वर्षों से श्री श्याम प्रभु की सेवा कर रहा हूँ। मैंने अपनी आँखों से देखा है कि जो भी सच्चे मन से यहाँ आया, वह कभी खाली नहीं लौटा। यहाँ किसी को संतान का सुख मिला, किसी को नौकरी, किसी की बीमारी शांत हुई, तो किसी का रुका हुआ काम बन गया। प्रभु कोई दिखावटी चमत्कार नहीं करते, वह भक्त के मन की पीड़ा को समझते हैं। जितनी गहराई से कोई श्याम को पुकारता है, उतनी ही गहराई से उसे कृपा मिलती है। काशी में सभी देवता विराजमान हैं, लेकिन हारे हुए के लिए जो सहारा है, वह श्याम बाबा ही हैं।

श्रद्धालुओं की जुबानीः श्याम कृपा के अनुभव

संगीता देवी, कहती है दस साल बाद मेरे घर किलकारी गूंजी. मैं दस वर्षों से संतान के लिए भटक रही थी। यहां आकर मैंने केवल प्रभु के चरणों में बैठकर रोना सीखा। एक साल के भीतर भगवान ने मेरी झोली भर दी। आज मेरा बच्चा ही मेरी सबसे बड़ी पूजा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लंबे समय से पदोन्नति अटकी थी। किसी ने नाम लेने को कहा, किसी ने सिफारिश। मैं यहाँ आया और केवल मन से प्रार्थना की। दो दिन के भीतर आदेश आ गया। अब मैं इसे संयोग नहीं, श्याम कृपा मानता हूँ। ट्रांसफर रुक गया, विश्वास और मजबूत हो गया. फायर विभाग अधिकारी, चेतगंज कहते है मेरा तबादला दूरस्थ जिले में हो गया था। दो दिन मंदिर आया, चरणों में अर्जी लगाई। तीसरे दिन ही आदेश बदल गया। तब से हर एकादशी को यहाँ आता हूँ।

यहाँ आकर लगता है, कोई अपना सुन रहा है

मिजार्पुर के रमेश कुमार एवं खमरिया के शिवांश जायसवाल कहते है काशी में कई मंदिर हैं, लेकिन यहाँ आकर मन हल्का हो जाता है। लगता है जैसे श्याम बाबा सामने बैठकर सुन रहे हों। शायद इसलिए लोग इन्हें हारे का सहारा कहते हैं।

संक्षिप्त सूचना

स्थानः लक्सा, वाराणसी

पहुँच मार्गः गोदौलिया - नई सड़क रोड से सीधी पहुँच

विशेषताः दोनों एकादशियों पर रात्रि जागरण और अखंड दर्शन

प्रमुख उत्सवः फाल्गुन एकादशी, बसंत पंचमी, झूलन उत्सव, शोभा यात्रा

खाटू श्याम का मुख्य मंदिर सीकर (राजस्थान) में है

खाटू श्याम जी का मुख्य मंदिर राजस्थान के सीकर जिले के खाटू नामक स्थान पर स्थित है। यह पवित्र धाम श्याम भक्तों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जहाँ बर्बरीक (खाटू श्याम) की पूजा-आराधना बड़े श्रद्धा एवं विश्वास के साथ होती है। यह मंदिर राजस्थान के प्रमुख तीर्थस्थलों में गिना जाता है और देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु यहाँ वरदनीय श्याम बाबा के दर्शन एवं आशीर्वाद के लिए आते हैं।

कैसे पड़े हारे के सहारे खाटू वाले श्याम के नाम

खाटू श्याम जी का इतिहास कोई साधारण लोककथा नहीं, बल्कि लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व की उस पौराणिक गाथा से जुड़ा है, जिसकी जड़ें महाभारत जैसे महाकाव्य में समाहित हैं। खाटू वाले श्याम, जिन्हें आज संसार हारे का सहारा कहकर पूजता है, अपने पूर्वजन्म में बर्बरीक के नाम से जाने जाते थे। वे महाबली भीम के पौत्र और घटोत्कच के पुत्र थे। उनकी माता का नाम मौरवी था, जो स्वयं एक वीर योद्धा और बर्बरीक की गुरु भी थीं, जबकि उनकी दादी थीं हिडिंबा। महाभारत का युद्ध आरंभ होने से पहले बर्बरीक ने अपनी माता से युद्ध में भाग लेने की अनुमति मांगी। माता ने उन्हें आज्ञा तो दी, लेकिन एक विशेष वचन भी लिया, युद्ध में तुम सदैव हारने वाले का सहारा बनोगे। माता की आज्ञा को गुरु-वाक्य मानकर बर्बरीक ने इस वचन को सहर्ष स्वीकार कर लिया। यही वचन आगे चलकर उन्हें संसार भर में ह्वहारे का सहाराह्ल बना गया। उस समय कौरव और पांडव, दोनों ओर से विशाल सेनाएं युद्धभूमि में उतर चुकी थीं। द्वारिका की सेना दुर्योधन को मिल चुकी थी और पांडव निहत्थे श्रीकृष्ण के नेतृत्व में खड़े थे। बर्बरीक की माता को आशंका थी कि कहीं पांडवों की सेना कमजोर न पड़ जाए, इसलिए उन्होंने अपने पुत्र से यह वचन लिया। लेकिन उन्हें यह ज्ञात नहीं था कि यही वचन महाभारत के युद्ध में एक बड़ी उलझन खड़ी कर देगा। जब बर्बरीक युद्धभूमि की ओर जा रहे थे, तभी मार्ग में एक ब्राह्मण ने उन्हें रोक लिया। वह ब्राह्मण स्वयं श्रीकृष्ण थे। उन्होंने बर्बरीक से उसके अस्त्र-शस्त्र और युद्ध क्षमता के बारे में प्रश्न किए। बर्बरीक ने बताया कि उसके पास केवल तीन दिव्य बाण हैं, जिन्हें स्वयं महादेव का वरदान प्राप्त है। इनमें से एक बाण से ही संपूर्ण शत्रु सेना का नाश संभव है। श्रीकृष्ण ने परीक्षा लेने के लिए पीपल के पेड़ के पत्तों को भेदने की चुनौती दी। जैसे ही बर्बरीक ने बाण संधान किया, सारे पत्ते एक साथ बिंध गए। जब एक पत्ता ब्राह्मण ने अपने पैर के नीचे छिपा लिया, तो बाण ने उसके चरणों को वेधना चाहा। तब श्रीकृष्ण ने अपनी पहचान प्रकट की। प्रसन्न होकर श्रीकृष्ण ने बर्बरीक से दान मांगने को कहा। बर्बरीक ने वचन दिया कि जो मांगा जाएगा, वह अवश्य देंगे। तब श्रीकृष्ण ने उनसे शीशदान मांग लिया। वचनबद्ध बर्बरीक ने शीशदान स्वीकार किया, लेकिन महाभारत का युद्ध देखने की इच्छा जताई। श्रीकृष्ण ने उनके शीश को अमृत से सींचकर कुरुक्षेत्र के पास एक ऊंचे स्थान पर स्थापित कराया, जिससे वे पूरा युद्ध देख सकें। शीश को खाट (त्रिपोद) पर स्थापित किए जाने के कारण वे खाटू वाले श्याम कहलाए। श्रीकृष्ण ने उन्हें वरदान दिया कि कलियुग में वे उनके ही नाम से पूजे जाएंगे और जब-जब संसार में धर्म संकट में होगा, वे हारे हुए का सहारा बनकर भक्तों की रक्षा करेंगे। इसी कारण आज भी श्याम बाबा को पुकारते ही श्रद्धालुओं के मन में यही विश्वास जाग उठता है जो हारा है, वही श्याम का प्यारा है।

मकर संक्रांतिः पतंगबाजी, आनंद, संस्कृति और चेतना

– डॉ. सत्यवान सौरभ

मकर संक्रांति का पर्व भारतीय संस्कृति में केवल एक तिथि नहीं, बल्कि ऋतु परिवर्तन, सामाजिक सहभागिता और लोकजीवन की जीवंत अभिव्यक्ति है। यह वह समय है जब सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की ओर अग्रसर होता है और प्रकृति के साथ-साथ मानव जीवन में भी नई ऊर्जा का संचार होता है। इस पर्व से जुड़ी पतंगबाजी की परंपरा सदियों से चली आ रही है, जिसने समय के साथ स्वयं को केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और स्वास्थ्य संबंधी आयामों को भी अपने भीतर समाहित किया है। आज पतंग उड़ाना सिर्फ. छतों पर खड़े होकर डोर खींचने का खेल नहीं, बल्कि सामूहिक उत्सव, मानसिक प्रसन्नता और शारीरिक सक्रियता का प्रतीक बन चुका है।

पतंग उड़ाने की परंपरा भारत में अत्यंत प्राचीन मानी जाती है। ऐतिहासिक संदर्भों और लोककथाओं में इसके उल्लेख मिलते हैं। कभी यह राजदरबारों में कौशल और रणनीति का प्रतीक रही, तो समय के साथ आम जनजीवन में रच-बस गई। मकर संक्रांति, बसंत पंचमी और अन्य पर्वों पर आसमान का रंग-बिरंगी पतंगों से भर जाना, भारतीय समाज की सामूहिक चेतना और उत्सवधर्मिता को दशार्ता है। हरियाणा, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में यह पर्व केवल परंपरा नहीं, बल्कि एक बड़े सामाजिक आयोजन का रूप ले लेता है। पतंगबाजी का सबसे सुंदर पक्ष उसका सामाजिक स्वरूप है। यह लोगों को घरों से बाहर निकालकर एक-दूसरे से जोड़ती है। छतों के बीच संवाद, बच्चों की खिलखिलाहट, युवाओं की प्रतिस्पर्धा और बुजुर्गों की स्मृतियों से उपजी मुस्कान—ये सभी दृश्य इस पर्व को जीवंत बनाते हैं। ह्लवो काटाङ्क वो माराह्ल की गूंज केवल खेल का उत्साह नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता की आवाज होती है। आज के समय में, जब सामाजिक संवाद सिमटता जा रहा है, ऐसे पर्व मानवीय रिश्तों को सहेजने का अवसर प्रदान करते हैं।

मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित पतंग महोत्सवों और सामूहिक आयोजनों ने इस परंपरा को नए आयाम दिए हैं। कई स्थानों पर स्थानीय प्रशासन, सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएँ मिलकर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती हैं, जिनका उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना भी होता है। इन आयोजनों में महिलाएँ, बच्चे और बुजुर्ग समान रूप से भाग लेते हैं, जिससे यह पर्व किसी एक वर्ग तक सीमित न रहकर समाज के हर हिस्से का उत्सव बन जाता है। अक्सर पतंगबाजी को केवल मौसमी खेल समझ लिया जाता है, लेकिन इसके स्वास्थ्य संबंधी लाभ भी कम नहीं हैं। पतंग उड़ाते समय शरीर के कई अंग सक्रिय रहते हैं। हाथों, कंधों और आँखों का समन्वय होता है, जिससे शारीरिक सक्रियता बनी रहती है। खुले वातावरण में समय बिताने से शरीर को सूर्य की ऊर्जा मिलती है और मानसिक थकान कम होती है। चिकित्सकों और मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि ऐसे सामूहिक और आनंददायक आयोजन तनाव को कम करने में सहायक होते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी पतंग उड़ाना अत्यंत उपयोगी है। खुले आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों को उड़ते देखना मन को प्रसन्नता और शांति देता है। यह व्यक्ति को वर्तमान क्षण से जोड़ता है और एक प्रकार के सहज ध्यान का अनुभव कराता है। आज के तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में ऐसे अनुभव मानसिक संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

बच्चों के लिए पतंगबाजी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया भी है। इससे उनमें धैर्य, संतुलन, समन्वय और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। हवा की दिशा को समझना, डोर का सही तनाव बनाए रखना और सही समय पर निर्णय लेना—ये सभी कौशल बच्चों की निर्णय क्षमता को मजबूत करते हैं। साथ ही, जब यह गतिविधि परिवार के साथ मिलकर की जाती है, तो बच्चों में सामाजिक मूल्य और सांस्कृतिक जुड़ाव भी गहराता है।

हालाँकि, जहाँ पतंगबाजी आनंद और उत्साह का पर्व है, वहीं इससे जुड़ी सुरक्षा चुनौतियाँ भी सामने आती हैं। बीते वर्षों में चाइनीज मांझा और नायलॉन डोर के प्रयोग से कई गंभीर दुर्घटनाएँ हुई हैं। यह न केवल मनुष्यों के लिए, बल्कि पक्षियों और अन्य जीव-जंतुओं के लिए भी घातक सिद्ध हुआ है। सड़क दुर्घटनाएँ, गले में कट लगने की घटनाएँ और पक्षियों की मौत—ये सभी इस परंपरा के विकृत स्वरूप की ओर संकेत करते हैं। सरकार और प्रशासन द्वारा इस दिशा में नियम बनाए गए हैं, लेकिन केवल नियम पर्याप्त नहीं हैं। समाज में जागरूकता फैलाना और जिम्मेदारी का भाव विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। सूती डोर का उपयोग, खुले और सुरक्षित स्थानों का चयन, बच्चों की निगरानी और समय-सीमा का ध्यान—ये सभी कदम पतंगबाजी को सुरक्षित बना सकते हैं। यह जरूरी है कि उत्सव की खुशी किसी के लिए दुख का कारण न बने।

पर्यावरणीय दृष्टि से भी पतंगबाजी पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। पतंगों के अवशेष पेड़ों, बिजली के तारों और सड़कों पर फँसकर पर्यावरण के लिए समस्या बन जाते हैं। प्लास्टिक और नायलॉन से बनी पतंगें लंबे समय तक नष्ट नहीं होतीं और जीव-जंतुओं के लिए खतरा पैदा करती हैं। ऐसे में पर्यावरण-अनुकूल पतंगों और प्राकृतिक रंगों के उपयोग को बढ़ावा देना समय की माँग है। कई सामाजिक संगठन और स्वयंसेवी समूह इस दिशा में सकारात्मक प्रयास कर रहे हैं। वे बच्चों और युवाओं को सुरक्षित और पर्यावरण-संवेदनशील पतंगबाजी के लिए प्रेरित कर रहे हैं। स्कूलों और सामाजिक मंचों पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि परंपरा और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे। बदलते समय के साथ पतंगबाजी का स्वरूप भी बदल रहा है। अब यह केवल छतों तक सीमित नहीं रही। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने इसे एक वैश्विक पहचान दी है। पतंग महोत्सवों की तस्वीरें और वीडियो दुनिया भर में साझा किए जा रहे हैं। विदेशों में बसे भारतीय समुदाय भी मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उत्सव आयोजित कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हैं। यह परिवर्तन दशार्ता है कि परंपराएँ स्थिर नहीं होतीं, वे समय के साथ स्वयं को ढालती हैं। पतंगबाजी भी इसी परिवर्तन का उदाहरण है, जहाँ परंपरा, मनोरंजन, स्वास्थ्य और आधुनिकता एक साथ उड़ान भरते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि आनंद और जिम्मेदारी एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक हैं। अंततः, मकर संक्रांति और उससे जुड़ी पतंगबाजी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन को उत्सव की तरह देखने का दृष्टिकोण है। यह हमें सामूहिकता, संतुलन और आनंद का महत्व समझाती है। जब हम परंपरा को समझदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनाते हैं, तो वह अतीत की स्मृति भर नहीं रहती, बल्कि वर्तमान और भविष्य की प्रेरणा बन जाती है। आसमान में उड़ती पतंगें हमें यही संदेश देती हैं कि सीमाएँ केवल जमीन पर होती हैं, सपनों के लिए आकाश हमेशा खुला रहता है—बस डोर थामने का हुनर और संतुलन बनाए रखने की समझ होनी चाहिए।

स्वच्छता में नंबर वन का 'अमृत' और नरक का ड्रेनेज

इंदौर में इन दिनों गजब का द्वंद्व चल रहा है। एक तरफ आसमान से टपकती स्वच्छता की 'नंबर वन' की ट्राफियां हैं और दूसरी तरफ जमीन फाड़कर निकलता 'भागीरथपुरा' का सच। प्रशासन ने अपनी चिर-परिचित फुर्ती दिखाते हुए कुछ अधिकारियों का 'स्थानांतरण' कर दिया है। वाह! क्या गजब का इलाज है। जैसे किसी का अपेंडिक्स फट गया हो और डॉक्टर उसका बिस्तर बदल दे। साहब यहाँ से वहाँ हुए नहीं कि सिस्टम का पाप धुल गया! सुना है नए साहब के आते ही पुरानी पाइप लाइन ने शर्म के मारे जहर उगलना बंद कर दिया है। भागीरथपुरा, नाम कितना पवित्र है। महाराज भगीरथ ने गंगा लाने के लिए अंगूठे पर खड़े होकर तपस्या की थी ताकि पूर्वजों को तार सकें, पर हमारे आधुनिक भगीरथों (इंजीनियरों) ने पाइपलाइन बिछाते समय ऐसी 'तपस्या' की कि अमृत योजना की नली को सीधे ड्रेनेज की नाली से 'कनेक्ट' कर दिया। अब पुरखे तरें न तरें, मोहल्ले वाले सीधे इस लोक को छोड़ मोक्ष की यात्रा पर निकल पड़े। यह सरकारी मोक्ष ही है, बस फर्क इतना है कि यह यमराज द्वारा नहीं, बल्कि नगर निगम द्वारा 'स्पॉन्सर्ड' है। इस पूरी त्रासदी के पीछे जो 'महान कलाकार' छिपा है, वह है, सरकारी ठेकेदार। यह वह प्रजाति है जो लोहे के पाइप को कागज की तरह मोड़ सकती है और कंक्रीट में इतनी रेत मिला सकती है कि रेगिस्तान को भी शर्म आ जाए। ठेकेदार साहब का गणित एकदम स्पष्ट है, ₹ऊपर की सड़क ऐसी बनाओ कि मुख्यमंत्री का काफिला निकले तो झटका न लगे, और नीचे पाइप ऐसा डालो कि अगली बारिश तक गायब हो जाए।₹ टेंडर की मलाई और कमीशन के खेल में पाइपलाइन की मोटाई इतनी कम रह गई कि सीवेज के कीड़ों ने उसे 'डोरस्टेप डिलीवरी' का रास्ता समझ लिया। ठेकेदार के लिए 'अमृत' का मतलब वह 'प्रसाद' है जो उसे फाइल पास होने के बाद मिलता है, जनता का गला सूखे या सड़े, इससे उसके बैंक बैलेंस का 'फ्लो' नहीं रुकता। शहर का चेहरा तो इतना चमकीला है कि आप अपनी शक्ल डिवाइडर पर देख लें। दीवारों पर नाचते मोर हैं, स्वच्छता के गान गाती गाड़ियाँ हैं और हर खंभे पर मुस्कराते नेताओं के पोस्टर हैं। पर इस चमक-धमक के नीचे शहर क्या 'पाल' रहा है, यह तब पता चलता है जब अस्पताल के बेड कम पड़ जाते हैं। यहाँ मोहल्ला राजनीति का भी अपना स्वैग है। ₹हमारे भाईसाहब₹ का वोट बैंक बना रहे, इसलिए पाइपलाइन चाहे गटर के भीतर से निकले या शौचालय के नीचे से, बस 'नल' चलना चाहिए। पार्षद जी को चिंता इस बात की नहीं थी कि पानी में बैक्टीरिया हैं, उन्हें चिंता इस बात की थी कि उद्घाटन के पत्थर पर उनका नाम बड़ा है या नहीं। चुनावी गणित में 'शुद्ध पेयजल' से ज्यादा जरूरी 'मुफ्त का टैंकर' होता है, ताकि संकट के समय मसीहा बना जा सके। जब जनता का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँचा, तो नेताओं ने अपना अचूक ब्रह्मास्त्र निकाला, 'स्थानांतरण'। कलेक्टर साहब हटा दिए गए, कमिश्नर साहब विदा कर दिए गए। जनता दुख भूल कर फटाफट खुश हो गई! उसे लगा कि 'न्याय' हो गया। अरे भाई, साहब तो बदल गए, पर वह सड़ा हुआ सिस्टम और वह लीकेज वाली पाइपलाइन तो वहीं है जो पिछले दस सालों से ड्रेनेज को चूम रही है। यह तो वही

मनपा आयुक्त अनमोल सागर ने दांडेकर विद्यालय में बन रहे इको-फ्रेंडली माडल बूथ का किया निरीक्षण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका द्वारा दांडेकर विद्यालय में तैयार किए जा रहे माडल बूथ (इको-फ्रेंडली पोलिंग स्टेशन) के कार्यों का कमिश्नर एवं चुनाव अधिकारी अनमोल सागर (भा.प्र.से.) ने निरीक्षण कर रिव्यू किया। इस दौरान उन्होंने बूथ की व्यवस्थाओं, पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं और मतदाताओं की सहूलियत से जुड़े विभिन्न पहलुओं का जायजा लिया। अनमोल सागर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि माडल बूथ पूरी तरह इको-फ्रेंडली होने के साथ-साथ मतदाताओं के लिए आकर्षक, सुरक्षित और सुविधाजनक होना चाहिए। उन्होंने हरित सजावट, स्वच्छता, दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष इंतजाम, तथा मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने वाली व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर एडिशनल कमिश्नर विठ्ठल डाके, शहर अभियंता जमील पटेल, शहर अभियंता सचिन नाइक, उद्यान प्रमुख अधिकारी नीलेश संखे और डिप्टी इंजीनियर विनोद भोईर उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने माडल बूथ के कार्यों की प्रगति की जानकारी दी और निर्धारित समय में कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया। मनपा की ओर से तैयार किया जा रहा इको-फ्रेंडली मॉडल बूथ मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का भी कार्य करेगा।

भिवंडी में रैलियों- सभाओं द्वारा चुनाव प्रचार का शोर थमते ही मोहल्ले और गलियों में शुरू हुई गुपचुप बैठकों की सरगर्मी

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। करीब साढ़े आठ साल बाद हो रहे भिवंडी महानगरपालिका के आम चुनाव में मंगलवार शाम पांच बजे चुनाव प्रचार का आधिकारिक शोर थम गया। इसके साथ ही अब असली राजनीतिक गतिविधियां गली-मोहल्लों में खलबतों और गुपचुप प्रचार के रूप में तेज होती दिखाई दे रही हैं। मंगलवार को प्रचार के अंतिम दिन सुबह से ही शहर के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों की ओर से प्रचार रैलियों का आयोजन किया गया। पद्मानगर क्षेत्र के प्रभाग क्रमांक 17 और 16 में भाजपा उम्मीदवार संतोष शेट्टी, नंदिनी गायकवाड़, रंजिता कोंडा, राजेश शेट्टी, क्षमा ठाकुर और स्नेहा पाटील ने भव्य प्रचार रैली निकालकर जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया। इसी तरह प्रभाग क्रमांक 20 में भाजपा उम्मीदवार यशवंत टावरे, प्रकाश टावरे, प्रीति जगताप और सुवर्णा म्हात्रे ने साठे नगर, अंजूर फाटा, भंडारी कंपाउंड और नारपोली परिसर में फिल्म अभिनेत्री आम्रपाली दुबे और आस्था सिंह के साथ विशाल जनसमूह के साथ रैली के जरिए अपना जनसमर्थन दिखाया। प्रभाग क्रमांक 21 में जय हिंद पार्टी के उम्मीदवार विराज पवार, श्याम भोईर, दक्षता चौधरी और सिद्धी पाटील ने कामतघर और ओसवालवाड़ी इलाके में पदयात्रा निकालकर प्रचार के अंतिम दिन को सार्थक बनाया। वहीं प्रभाग क्रमांक 6 में भिवंडी विकास आघाडी के उम्मीदवार एवं पूर्व महापौर जावेद दलवी के साथ रिषिका राका, रोमा आलशी और मोमिन परवेज ने अपने क्षेत्र में रैली निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया। इसके अलावा कई उम्मीदवारों की प्रचार रिक्शाएं और साइकिलें दिनभर शहर में घूमती रहीं और अंतिम जाहिर प्रचार किया गया। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान भिवंडी में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ, समाजवादी पार्टी के अबू आजमी और वंचित बहुजन आघाडी के प्रकाश आंबेडकर की सभाएं भी हुईं। हालांकि अन्य कई दलों के स्टार प्रचारकों ने भिवंडी से दूरी बनाए रखी। अब प्रचार का शोर थमने के बाद भिवंडी की गलियों और मोहल्लों में मतदाताओं को साधने के लिए राजनीतिक खलबतों का दौर शुरू हो चुका है, जहां हर उम्मीदवार अपनी जीत की गणित बैठाने में जुटा है।

जिला परिषद पालघर में मनाई गई राजमाता जिजाऊ व स्वामी विवेकानंद की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में सोमवार 12 जनवरी 2026 को राजमाता जिजाऊ एवं स्वामी विवेकानंद की जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने राजमाता जिजाऊ एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम में राजमाता जिजाऊ द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज को दिए गये संस्कार, उनके दूरदर्शी नेतृत्व तथा स्वराज्य की नींव रखने में उनके योगदान को स्मरण किया गया। ज्ञात हो कि राजमाता जिजाऊ का जन्म 12 जनवरी 1598 को बुलढाणा जिले के सिंदखेडराजा में हुआ था। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी शिवाजी महाराज को संस्कार, साहस और स्वराज्य की प्रेरणा देकर हिंदवी स्वराज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही स्वामी विवेकानंद द्वारा युवाओं को आत्मविश्वास, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा का संदेश देने वाले विचारों पर प्रकाश डाला गया। उनके विचार आज भी युवाओं के लिए मार्गदर्शक प्रेरणा हैं। इस अवसर पर प्रकल्प संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, जिला कार्यक्रम अधिकारी व्यंकटराव हुंडेकर, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, गट विकास अधिकारी पालघर सहित जिला परिषद के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ग्राम विकास, जनजागृति एवं जनभागीदारी का संदेश लेकर अभिनेता भाऊ कदम ने किया पालघर का दौरा

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के अंतर्गत जनजागृति व प्रबोधन के उद्देश्य से सुप्रसिद्ध मराठी अभिनेता भाऊ कदम ने पालघर जिले की हमरापुर, घोलवड एवं उमरोली ग्राम पंचायतों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम विकास से जुड़े नवोन्मेषी उपक्रमों का निरीक्षण किया तथा ग्रामीणों, किसानों, महिलाओं, विद्यार्थियों, आंगनवाड़ी सेविकाओं, आशा कार्यकर्ताओं एवं बचत समूह की महिलाओं से संवाद साधा।

हमरापुर ग्राम पंचायत में मात्र पाँच रुपये में बीस लीटर शुद्ध पानी उपलब्ध कराने वाले वॉटर एटीएम की जानकारी लेते हुए भाऊ कदम ने पंचायत की पहल की सराहना की। इस मौके पर उन्होंने खुली व्यायामशाला का उद्घाटन किया तथा नियमित व्यायामशाला का भी अवलोकन किया। सीएसआर निधि से निर्मित सड़क का उद्घाटन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। वनराई बंधारे का निरीक्षण करते हुए ग्रामवासियों द्वारा इसे दिया गया ह्लभाऊ बंधाराह्व नाम उन्हें विशेष रूप से भावुक कर गया। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं श्रमदान किया और बांध के पानी से खेती करने वाले किसानों से संवाद किया। किसानों ने बताया कि इस बांध से कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके पश्चात उन्होंने जिला परिषद स्कूल का दौरा कर विद्यार्थियों से बातचीत की। भाऊ कदम ने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भूमिका और जनभागीदारी से ही सतत ग्राम विकास संभव है। ऐसे अभिनव उपक्रमों के कारण पालघर जिले की कई ग्राम पंचायतें पूरे राज्य के लिए आदर्श बन रही हैं।

इसके बाद वाडा के खडकोना स्थित बांध का निरीक्षण कर उन्होंने किसानों से संवाद किया। घोलवड ग्राम पंचायत में भ्रमण के दौरान उन्होंने मधु उत्पादन केंद्र का दौरा किया।

शासन द्वारा महाराष्ट्र का तीसरा सर्वश्रेष्ठ गांव घोषित घोलवड में शुद्ध शहद, बांस उत्पाद, वारली कला की वस्तुएँ तथा चिकू से बने विभिन्न उत्पादों की उन्होंने सराहना की। ग्राम पंचायत पुस्तकालय एवं स्कूल का दौरा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद किया और विश्वास जताया कि घोलवड ग्राम पंचायत को निश्चित ही भविष्य में पुरस्कार प्राप्त होगा।

उमरोली ग्राम पंचायत में आयोजित कार्यक्रम में भाऊ कदम ने कहा कि शासन द्वारा उन्हें सीधे ग्रामीणों से संवाद करने का अवसर दिया गया, इसके लिए वे आभारी हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से कई प्रेरणादायक उपक्रम देखने को मिले हैं, जिन्हें अन्य गांवों में भी लागू करने का प्रयास किया जायेगा। जनभागीदारी, एकजुटता और निरंतरता से ही गांवों का सर्वांगीण विकास संभव है।

इस अवसर पर नवनिर्मित उमरोली मछली बाजार का उद्घाटन भी किया गया। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण उमरोली में अभिनेता संदीप पाठक द्वारा प्रस्तुत लोकप्रिय नाटक ह्लव ऱ्हाड निघालं लंडनलाह्व रहा, जिसे ग्रामवासियों की ओर से उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला।

तीनों ग्राम पंचायतों में पारंपरिक तारपा नृत्य के माध्यम से भाऊ कदम का स्वागत किया गया। उन्होंने स्वयं भी तारपा नृत्य में भाग लेकर ग्रामीणों से आत्मीय संवाद किया। साथ ही उमेद अभियान के अंतर्गत महिलाओं द्वारा लगाए गए विभिन्न उत्पाद स्टॉलों का अवलोकन कर उन्होंने बचत समूह की महिलाओं, आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं आशा कार्यकर्ताओं की सराहना की।

इस अवसर पर विधायक राजेंद्र गावित, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, परियोजना संचालिका डॉ. रूपाली सातपुते, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील, सर्व विभाग प्रमुख, सरपंच प्रभाकर पाटील, सरपंच रविंद्र बुजड, सरपंच अवनी सांबरे, गट विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत सदस्य, स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित थे।

आदिवासी पारधी समाज के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए उल्लेखनीय प्रयास

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आजादी के बाद से ही आदिवासी पारधी समाज विकास की मुख्य धारा से वंचित है। यही कारण है कि आज भी इस समाज के बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित हैं। हालांकि आदिवासी, पारधी समाज मुंबई और नवी मुंबई महासंघ के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार की ओर से इस समाज के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में गत दिनों मुंबई और नवी मुंबई आदिवासी महासंघ के अध्यक्ष संतोष एकनाथ पवार की ओर से मानखुर्द ओर छेड़ा नगर सिंगल के पास आदिवासी पारधी समाज के बच्चों के लिए सिंगल स्कूल अभियान चलाया गया। इस सिंगल स्कूल अभियान में 50 बच्चे शामिल हुए। इस अवसर पर बटू सावंत सर, आदिवासी पारधी समाज के बच्चे और उनके अभिभावक भी मौजूद थे। बता दें कि यह स्कूल चेंबूर में लोखंडे मार्ग ब्रिज के नीचे है, लेकिन मुंबई के मानखुर्द और छेड़ा नगर की बस्तियों में भी पारधी समाज के बच्चे बड़ी संख्या में हैं। इस दौरान बच्चों को स्कूल भेजने के लिए बच्चो के अभिभावकों समझाया गया।

भाजपा पदाधिकारी पर हमले के विरोध में मूक मोर्चा

डोंबीवली (उत्तरशक्ति)। चुनावी रंजिश के चलते डोंबिवली पूर्व के तुकाराम नगर में शिवसेना के उम्मीदवार और उनके सहयोगियों द्वारा भाजपा प्रत्याशी आर्या नाटेकर के पति ओमनाथ नाटेकर पर जानलेवा हमला किए जाने की घटना हुई है। गंभीर अवस्था में घायल ओमनाथ नाटेकर का उपचार डोंबिवली के एम्स अस्पताल में चल रहा है। इस घटना के विरोध में भाजपा द्वारा डोंबिवली में मूक मोर्चा निकाल कर विरोध जताया गया और इस मामले में लिप्त लोगो को कड़ी सजा की मांग कर रहे है।

मिली जानकारी के अनुसार डोंबिवली पैनल नंबर 29 में भाजपा और शिवसेना (शिंदे) के बीच मित्रतापूर्ण चुनावी लड़ाई हो रही थी। इस पैनल में दोनों दलों ने अपने चार-चार प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। शिंदे सेना कार्यकताओं ने आरोप लगाया कि रात 10 बजे आचार सहिता लगने के बाद भाजपा के कार्यकर्ता एक सोसायटी में प्रचार कर रहे थे। जबकि भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि चुनाव प्रचार नहीं बल्कि, आगामी माघी गणेशोत्सव को लेकर एक गणेश मंडल के साथ बैठक आयोजित की गई थी। यही से विवाद की शुरूआत तब हुई जब दो दिन पहले शिवसेना प्रत्याशी नितिन पाटील ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर मतदाताओं को पैसे बाटने का आरोप लगाया था। इस पूरे मामले की जांच पहले से डोंबिवली पुलिस कर रही थी। की दूसरे दिन शिवसेना के लोग भाजपा के प्रत्याशी पर जानलेवा हमलाकर बोल दिया। इस मामले में अभी तक पुलिस ने 5 लोगो को गिरफ्तार किया है।

ओमनाथ नाटेकर पर हुए हमले के विरोध में आज भाजपा और तुकाराम नगर के स्थानिक रहिवासियों ने मूक मोर्चा निकालकर घटना का विरोध किया। मतदान से दो दिन पहले हुई इस घटना ने डोंबिवली का राजनीतिक पारा गर्म कर दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस जांच में जुटी है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष नंदू परब और पूर्व मंत्री जगन्नाथ पाटिल अपने कार्यकताओं के साथ मिलकर घटना का विरोध व्यक्त करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। वही डोंबिवली पुलिस पूरे परिसर को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया है।

एमएम यादव की अंतिम प्रचार रैली में उमड़ा जन सैलाब, मौन हुआ विपक्ष

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वसोर्वा विधानसभा स्थित वार्ड क्रमांक 63 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजीत पवार गट) के प्रत्याशी एमएम यादव यादव की अंतिम प्रचार रैली में आज उनकी ताकत और लोकप्रियता दोनों नजर आई। पिछले 40 वर्षों से यहां की राजनीति में पूरी तरह से सक्रिय रहे श्री यादव के समर्थन में जिस तरह से जगह-जगह लोगों की भारी भीड़ दिखाई दी तथा लोगों ने खुलकर उनके समर्थन में नारे लगाए, उसे देखकर विपक्ष के हौसले पस्त हो गए हैं। श्री यादव को यह समर्थन अनायास नहीं मिल रहा है। लोगों के बीच उन्होंने लगातार रचनात्मक और सामाजिक काम किए हैं। लोगों के सुख दुख के साथ हमेशा खड़े रहे। इस वार्ड में 12 से 13 हजार उत्तर भारतीय मतदाता है, जिनमें 8 हजार केवल यादव मतदाता है। यादव मतदाता पूरी तरह से उनके साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। उन्हें इस वार्ड में दोहरा लाभ मिलता दिखाई दे रहा है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का तो उन्हें वोट मिल ही रहा है साथ ही उनका टिकट न देने से नाराज अधिकांश कांग्रेसियों का भी उन्हें समर्थन और आशीर्वाद मिल रहा है। जनता पहले से ही कांग्रेस के ऊपर नाराज है। राजनीतिक क्षमता के साथ- साथ श्री यादव में अद्वितीय संगठनात्मक क्षमता है, जो कार्यकताओं को उनसे जोड़े हुए हैं। यहां के मतदाता उनको काम का पूरा इनाम देना चाहते हैं। एक वरिष्ठ कांग्रेसी कार्यकर्ता ने कहा कि श्री यादव को टिकट न देकर कांग्रेस ने बहुत बड़ी भूल की है। कांग्रेस को इसका खामियाजा तो मिलना ही है।

परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक के नेतृत्व में शिवसेना की भव्य बाइक रैली

मीरा भायंदर के नागरिकों से सीधा संवाद, मीरा-भायंदर में भगवा तूफान की चर्चा

तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन, शिवसेना द्वारा मीरा भायंदर शहर में एक भव्य बाइक रैली का आयोजन किया गया। रैली का नेतृत्व महाराष्ट्र राज्य के परिवहन मंत्री और धराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक ने किया, जिससे रैली में विशेष उत्साह का संचार हुआ और नागरिकों से इसमें भरपूर समर्थन मिला।

यह रैली सुभाष चंद्र बोस मैदान, भायंदर (पश्चिम) से शुरू हुई और पूरे शहर का चक्कर लगाते हुए केंद्रीय जनसंपर्क कार्यालय पर समाप्त हुई। रैली के दौरान, भायंदर पुलिस स्टेशन, नवरंग होटल, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, नवघर रोड, विमल डेयरी चौक, स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे मैदान, प्लेजेंट पार्क, सेंट डोवियर स्कूल और जे. पी. नॉर्थ चौक जैसे प्रमुख स्थानों पर नागरिकों को शिवसेना के विकासोन्मुखी एजेंडे, जन कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त नेतृत्व के संदेशों से अवगत कराया गया।

रैली के दौरान नागरिकों से मिली उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया मौजूदा प्रशासन के प्रति उनकी असंतुष्टि और शिवसेना से बदलाव की उनकी स्पष्ट अपेक्षा का प्रत्यक्ष संकेत थी। शिवसेना कार्यकर्ताओं की संगठनात्मक शक्ति और आत्मविश्वास हर वार्ड में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने नागरिकों से बातचीत करते हुए विकासोन्मुखी नीतियों, नगर निगम की योजनाओं में पारदर्शिता और जनहित को प्राथमिकता देने की बात कही। सरनाईक की बात का जवाब देते हुए नागरिकों ने खुलकर कहा कि मीरा भायंदर के प्रशासन में बदलाव की जरूरत है। इस रैली से यह स्पष्ट हो गया कि शिवसेना, जिसे मीरा भायंदर नगर निगम में जनता का विश्वास प्राप्त है, संघर्षों के माध्यम से मजबूती से खड़ी हुई है और विकास को प्राथमिकता देती है, आगामी चुनावों में सत्ता में आएगी। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि प्राप्त जनसमर्थन से पता चलता है कि 16 जनवरी को मीरा भायंदर नगर निगम पर शिवसेना का भगवा झंडा फहराया जाएगा।

राजमाता जिजाऊ व स्वामी विवेकानंद जयंती पर विद्यार्थियों का किया गया प्रेरणादायी मार्गदर्शन

पालघर (उत्तरशक्ति)। छत्रपति शिवाजी महाराज की माता, स्वराज्य की आधारशिला रखने वाली राजमाता जिजाऊ तथा भारतीय संस्कृति के महान चिंतक, युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर विद्यार्थियों को प्रेरित करने हेतु विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। सोमवार 12 जनवरी 2026 को शासकीय माध्यमिक आश्रम विद्यालय, बेटेगांव में आयोजित इस कार्यक्रम में डॉ. स्मिता सुधीर मालवदे (सेवानिवृत्त मुख्याध्यापिका) प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने प्रभावशाली विचारों के माध्यम से विद्यार्थियों को मातृत्व शक्ति, राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास और युवाओं की भूमिका का महत्व समझाया। डॉ. मालवदे ने अपने स्वयं रचित स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित कविता का सुंदर पाठ किया, जिसे सुनकर विद्यार्थी भावविभोर हो गए। साथ ही उन्होंने राजमाता जिजाऊ द्वारा शिवाजी महाराज को दिए गये संस्कारों के प्रेरक प्रसंग सुनाए। उन्होंने जिजाऊ माता की यह शिक्षा विशेष रूप से उल्लेखित की कि शिवाजी को केवल मेरा पुत्र न मानकर पूरे महाराष्ट्र का राजा बनने योग्य बनो। उन्होंने शिक्षा के महत्व, समानता, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रनिर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यार्थियों द्वारा तैयार पुष्पगुच्छ भेंट कर माध्यमिक शिक्षिका कोल्हे मैडम ने अतिथियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर महस्के सर सहित शिक्षकवृंद उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सूत्र संचालन औटी मैडम ने किया तथा सोनाली तांडेल ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार जताया।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में महायुति का बनेगा मुंबई का महापौर : उदयप्रताप सिंह

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका चुनाव प्रचार का आज आखिरी दिन है। सभी राजनीतिक पार्टियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मुंबई भाजपा प्रवक्ता व मीडिया सह प्रभारी उदयप्रताप सिंह ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन, प्रभारी एडवोकेट आशीष शेलार तथा मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम के नेतृत्व में मुंबई का अगला महापौर महायुति का बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुंबई के विकास की दिशा में मुख्यमंत्री द्वारा किए गए अभूतपूर्व रचनात्मक कार्यों को देखते हुए मुंबई का मतदाता पूरी तरह से महायुति के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि फडणवीस सरकार ने सिर्फ कानून व्यवस्था में ही सुधार नहीं किया अपितु मुंबई के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुआ है। मेट्रो कनेक्टिविटी का विस्तार, कोस्टल रोड, अटल सेतु जैसी बड़ी परियोजनाओं का पूरा होना महाराष्ट्र

सरकार की अदम्य इच्छा शक्ति का परिचायक है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिखरा हुआ विपक्ष पूरी तरह से हताश और निराश नजर आ रहा है। आपस में लड़ने वाले लोग दिखावे के लिए भले एक हो गए हो, परंतु उनका अंतर्मन एक नहीं हुआ है। जनता को भ्रमित करने की उनकी सारी चाल बेनकाब हो चुकी है। विपक्ष के पास ना संगठन है ना समर्थन। श्री सिंह ने कहा कि मुंबईकर के अधूरे सपनों को सिर्फ और सिर्फ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महायुति सरकार ही पूरा कर सकती है।

टैलीप्राइम 7.0 लॉन्च : एमएसएमई के लिए डिजिटल कामकाज और कनेक्टिविटी हुई और भी सहज

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी बिजनेस ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर कंपनी टैली सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड ने टैलीप्राइम 7.0 के लॉन्च की घोषणा की। यह लॉन्च टैलीप्राइम प्लेटफॉर्म के पाँच वर्ष पूरे होने का प्रतीक है। शुरूआत से ही टैलीप्राइम का उद्देश्य एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों) के लिए डिजिटलीकरण को सरल, भरोसेमंद और व्यावहारिक बनाना रहा है। टैलीप्राइम 7.0 इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए गहरे इंटीग्रेशन, स्मार्ट ऑटोमेशन और मजबूत डेटा सुरक्षा के साथ व्यवसायों को एक अधिक जुड़ा हुआ और सहज अनुभव प्रदान करता है। पिछले कुछ वर्षों में टैलीप्राइम ने ई-इनवॉइस, ई-वे बिल, जीएसटी अनुपालन और रोजमर्रा के वित्तीय कार्यों में कारोबारियों का भरोसेमंद साथी बनकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कनेक्टेड बैंकिंग और टैलीप्राइम क्लाउड एक्सेस जैसी सुविधाओं ने व्यवसायों को कहीं से भी सुरक्षित तरीके से काम करने की स्वतंत्रता दी है।

चिंचणी में आयोजित 15वीं राज्यस्तरीय जूनियर डॉजबॉल चैंपियनशिप उत्साहपूर्वक संपन्न

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। महाराष्ट्र डॉजबॉल एसोसिएशन एवं पालघर डिस्ट्रिक्ट डॉजबॉल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 15वीं राज्यस्तरीय जूनियर डॉजबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता चिंचणी स्थित के. डी. हाईस्कूल मैदान में अत्यंत उत्साह और खेल भावना के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में महाराष्ट्र के 32 जिलों से 32 बालक टीमों और 24 बालिका टीमों सहित कुल 560 खिलाड़ियों ने भाग लेकर खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के बालक वर्ग में जालना टीम ने प्रथम स्थान, पिंपरी-चिंचवड टीम ने द्वितीय स्थान तथा, जलगांव टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग में पुणे टीम ने प्रथम, ठाणे टीम ने द्वितीय तथा पिंपरी-चिंचवड टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता पालघर सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने की। उद्घाटन अवसर पर महाराष्ट्र ऑलिम्पिक एसोसिएशन के महासचिव संजय शेटे तथा महाराष्ट्र डॉजबॉल एसोसिएशन के महासचिव डॉ. हेमंत लुंगे उपस्थित रहे। वहीं चिंचणीझतारापुर एजुकेशन सोसाइटी के चेयरमैन रजनीकांत श्रॉफ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रस्तावना में पालघर डिस्ट्रिक्ट डॉजबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज पाटील ने डॉजबॉल खेल के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिले में इस खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना और विद्यार्थियों को अधिक अवसर उपलब्ध कराना आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर पर सांसद डॉ. हेमंत सावरा ने डॉजबॉल को महाराष्ट्र ऑलिम्पिक में शामिल किये जाने की अपेक्षा व्यक्त की, जिस पर संजय शेटे ने संगठन के माध्यम से इस मांग को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के पदाधिकारियों में अध्यक्ष मनोज पाटील, उपाध्यक्ष चारुशीला पाटील, सचिव विनय सावे, कोषाध्यक्ष प्रा. सुधीर भांडवलकर, सदस्य संदीपा सावे आदि ने सांसद डॉ. हेमंत सावरा एवं संजय शेटे को सम्मानपत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में शिवशक्ति सामाजिक संगठना प्रमुख संजय पाटील, पालघर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष सीमा पोतदार, रणवीर शर्मा, अविश राऊत, जिला परिषद सदस्य महेंद्र भोणे सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मानपत्रों का वाचन सुहास राऊत ने किया।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

अलाव से झुलसी विवाहिता की उपचार के दौरान मौत

गौराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)।जफराबाद थाना क्षेत्र के करमही गांव में अलाव की आग से झुलसी एक विवाहिता की मंगलवार तड़के उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका का मायका गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरूद्दीनपुर गांव में है, जिससे क्षेत्र में शोक की लहर है।

जानकारी के अनुसार, करमही गांव निवासी सर्वेश कुमार की 28 वर्षीय पत्नी अनीता गत 9 जनवरी को घर में अलाव जलाकर ताप रही थी। इसी दौरान वह अचानक आग की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गई। परिजनों ने आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पांच दिनों तक चले उपचार के बाद मंगलवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। परिजनों में कोहराम

अनीता का विवाह वर्ष 2022 में हुआ था। उसकी मौत की खबर मिलते ही ससुराल और मायके पक्ष में कोहराम मच गया। मृतका के दो छोटे बच्चे हैं, जिनमें एक ढाई साल का और दूसरा मात्र तीन माह का है। मासूमों के सिर से मां का साया उठने पर हर किसी की आंखें नम थीं।

पुलिस कर रही जांचः

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष श्री प्रकाश शुक्ला कहना है कि मामले की छानबीन की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले को लेकर किसी प्रकार की तहरीर नहीं दी गई है।

अतुल्य वेल्फेयर ने हॉकी टीम के बच्चों को सम्मानित कर मनाया स्थापना दिवस

अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित करती है संस्थाः अशोक ध्यानचंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट परिवार द्वारा स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम का

आयोजन नगर के एक होटल में दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ओलम्पियन अर्जुन अवार्डी हॉकी के पूर्व खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद, विशिष्ट अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, और भाजपा जिला अध्यक्ष अजित प्रजापति, रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ नन्ही बिटिया श्रेया चौधरी के द्वारा गणेश वंदना से और अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया। सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान जिले के हॉकी खिलाडी. बच्चे, महिला सुरक्षा सम्मान, शिक्षक सम्मान, चिकित्सा सम्मान, पत्रकार सम्मान, सामाजिक संस्था सम्मान, ट्रस्ट परिवार सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अशोक ध्यानचंद ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मैं इस ट्रस्ट के माध्यम से दूसरी बार जौनपुर में आने को मिला, अशोक ध्यानचंद ने कहा कि जिस तरह से अतुल्य वेल्फेयर संस्था समाज में जुड़ के कार्य कर रहीं हैं यह एक मिशाल ही है,प्रशांत सिंह ने कहा कि आज समाज के हर वर्ग से जुड़कर कार्य कर रही है,चाहे शिक्षक, चिकित्सक, समाजसेवी संस्था के साथ किन्नर समाज को भी मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया है बहुत ही सराहनीय कार्य है, ! जिला अध्यक्ष अजित प्रजापति ने कहा कि जिस तरह से कार्यक्रम में आज जिले के हॉकी खिलाड़ियों को प्रमुखता से बुलाकर सम्मानित कराना बहुत ही अच्छा संदेश दिया गया, नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि जिले में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित करती है संस्था जो बहुत ही अच्छा संदेस है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.समर बहादुर सिंह ने कहा कि संस्था से जुड़कर लोग सोसाइटी के लिए अच्छा कार्य करते हैं चाहे वह डॉक्टर हो, समाजसेवी हो, पत्रकार हो, शिक्षक हो या फिर पर्यावरण से जुड़े लोग हो ऐसे सभी लोगों का सम्मान करने का कार्य अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट परिवार करता है।

पछुआ हवा से बढ़ी ठिठुरन से कस्बा लेखपाल ने केराकत तहसील परिसर में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

कड़ाके की ठंड में शासन का राहत अभियान, 32 असहायों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

जितेन्द्र कन्नौजिया

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लगातार कई दिनों से चल रही तेज पछुआ हवा के कारण क्षेत्र के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।ठंड के साथ बढ़ी गलन ने आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह और रात के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है, जबकि मजबूरी में बाहर निकलने वाले लोग ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं।कड़ाके की ठंड के चलते खासकर गरीब, वृद्ध, असहाय और मजदूर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित है। मौसम की गंभीरता को देखते हुए शासन के निदेर्शानुसार केराकत तहसील परिसर में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कस्बे के वरिष्ठ लेखपाल राजेश कुमार श्रीवास्तव ने क्षेत्र के चयनित गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कुल

32 कंबल वितरित किए। कंबल पाकर लाभार्थियों के चेहरों पर राहत और संतोष की झलक साफ दिखाई दी। वरिष्ठ लेखपाल राजेश कुमार श्रीवास्तव नें बताया कि शासन की मंशा है कि कोई भी असहाय व्यक्ति ठंड के कारण परेशान न हो। इसी उद्देश्य से तहसील स्तर पर कंबल वितरण का कार्य लगातार कराया जा रहा है, ताकि जरूरतमंदों को समय रहते राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि आगे भी पात्र लोगों को चिन्हित कर सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मौजूद स्थानीय लोगों ने शासन व प्रशासन की इस पहल की सराहना की और कहा कि ठंड के इस कठिन समय में कंबल गरीबों के लिए बड़ी राहत साबित हो रहा है।

लोगों ने मांग की कि कंबल वितरण का दायरा और बढ़ाया जाए, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक मदद पहुंच सके।

मूसा टेलीकॉम से डिजिटल सेवाओं को मिलेगा बढ़ावा: अजय सिंह

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कस्बे के खुटहन मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर के समीप मंगलवार को मूसा टेलीकॉम का भव्य उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शाहगंज सोंधो अजय कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के अवसर पर उन्होंने कहा कि आधुनिकता के इस दौर में डिजिटलाइजेशन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों की तर्ज पर छोटे कस्बों में भी डिजिटल सुविधाओं की आवश्यकता है, जिससे आम लोगों को सभी सेवाएं अपने क्षेत्र में ही उपलब्ध हो सकें।

उन्होंने कहा कि मूसा टेलीकॉम जैसे प्रतिष्ठान खुलने से क्षेत्र में डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा और मोबाइल, लैपटॉप से जुड़ी आवश्यक सुविधाएं कस्बे में ही सुलभ होंगी। इससे लोगों को महानगरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। प्रतिष्ठान के अधिष्ठाता मो. आसिफ ने बताया कि मूसा टेलीकॉम में एक ही छत के नीचे रेलवे टिकट, हवाई जहाज टिकट, मोबाइल व लैपटॉप रिपेयरिंग, नए मोबाइल व लैपटॉप की बिक्री सहित डिजिटल सेवाओं से संबंधित सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस अवसर पर भाजपा नेता रूपेश गुप्ता मोनू, फहीम अख्तर, मंजय गुप्ता, नूरआलम, सफर शेख, गोलू यादव, मो. हामिद, रिंकू सिंह, मो. जैद, लारैब, मो. दिलशाद, नजीर अहमद सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में आयोजक मो. आसिफ ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अनजान कारणों से लगी आग में नगदी समेत गृहस्थी का सामान जलकर हुआ राख

सुजानगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज जौनपुर क्षेत्र के पूरा रामसहाय कोटिला ग्राम सभा में आज मध्य रात्रि के करीब गब्बर गौड़ पुत्र

राज कुमार गौड़ के रीहायसी मडहे में अनजान कारणों से लगी आग में गृहस्थी के सामान के साथ सोने की बाली, मंगलसूत्र,दो जोड़ी पांव के पायल, दश हजार नगद जलकर राख हो गया जिसकी जानकारी देते हुए गब्बर गौड़ ने बताया की रात को हम लोग सो रहे थे रात्रि बारह बजे के करीब उजाला दिखा जब तक कुछ समझ पाते तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया गांव वालों की मदद से किसी प्रकार आग पर काबू पाया गया तब तक सब कुछ चलकर राख हो चुका था।

पीयू के एमबीए छात्र शिवम का डिप्टी मैनेजर पद पर चयन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से एमबीए (फाइनेंस एवं कंट्रोल) के सत्र 2023-2025 के छात्र शिवम अस्थाना ने अपने कठोर परिश्रम और समर्पण से एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। उनका चयन देश की अग्रणी वित्तीय संस्था बजाज फाइनेंस लिमिटेड में डिप्टी मैनेजर के पद पर 5.50 लाख रुपये के पैकेज पर हुआ है, जिससे विश्वविद्यालय का नाम रोशन हुआ है। शिवम अस्थाना ने अपने कोर्स के दौरान वित्तीय प्रबंधन, निवेश विश्लेषण, कॉर्पोरेट फाइनेंस तथा बैंकिंग से संबंधित

विषयों में गहन समझ विकसित की। वर्ष 2025 में उच्चतम अंकों के साथ वे गोल्ड मेडलिस्ट भी बने। उनकी शैक्षणिक योग्यता, नेतृत्व क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान ने उन्हें बजाज फाइनेंस लिमिटेड जैसी प्रतिष्ठित कंपनी में यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दिलाई। विश्वविद्यालय के शिक्षकगण एवं सहपाठियों ने उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शिवम अस्थाना ने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता, गुरुजन प्रोफेसर अजय द्विवेदी, डॉ. आलोक गुप्ता तथा विभाग के समस्त शिक्षकों को दिया। उन्होंने सेंट्रल ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट सेल के समन्वयक प्रो. प्रदीप कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इंटरव्यू टिप्स, सॉफ्ट स्किल्स तथा पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में मार्गदर्शन प्रदान किया।

युवक ने डिजिटल लाइब्रेरी में फांसी लगाकर दी जान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)।रामपुर थाना क्षेत्र के बनीडीह गांव निवासी शैलेश यादव (22) पुत्र आशाराम ने सधीरनगंज बाजार स्थित अपनी डिजिटल लाइब्रेरी में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह दर्दनाक घटना सोमवार की देर रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है। जैसे ही युवक को फंदे से लटका देखा गया, पूरे बाजार और गांव में अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शैलेश प्रतिदिन की तरह अपनी डिजिटल लाइब्रेरी में ही सो रहा था। देर रात जब कुछ लोगों की नजर अंदर पड़े शव पर पड़ी तो उन्होंने शोर मचाया। आवाज सुनते ही आसपास के दुकानदार और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। तत्काल परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद बाजार में भारी भीड़ जुट गई और माहौल पूरी तरह शोकमय हो गया।

घटना की जानकारी मिलते ही रामपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए शव को कब्जे में लिया। थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आत्महत्या के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि सभी पहलुओं पर पुलिस जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार शैलेश तीन भाइयों में दूसरे नंबर का था। वह मेहनती, शांत स्वभाव और परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने वाला युवक था। उसकी असमय मौत से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। माता-पिता और भाइयों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी हर आंख नम दिखाई दी। इस हृदयविदारक घटना से बनीडीह गांव और सधीरनगंज बाजार क्षेत्र में शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है। लोग इस बात से स्तब्ध हैं कि एक होनहार युवक ने इस तरह जीवन समाप्त कर लिया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही आत्महत्या के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

महराजगंज पुलिस ने नौकरी के नाम पर ठगी करने वाली एक महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना महराजगंज पुलिस टीम द्वारा नौकरी के नाम

पर ठगी करने के मुकदमें में वांछित एक महिला आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त किया है। थानाध्यक्ष महराजगंज के नेतृत्व में थाना महराजगंज पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 03/2025 धारा-419/420/467/ 468/471/406 भादवि व मु0अ0सं0 170/2024 धारा 467/168/471/420/ 406/506 भादवि में वांछित आरोपी शिप्रा जायसवाल पत्नी दीपक कुमार धार्या पुत्री राजकुमार जायसवाल निवासी 229-ए चक्शा हुसैन पंचपेडवा थाना गोरखनाथ जिला गोरखपुर हाल पता- आई-36 रेलवे कालोनी आलमबाग तेढी पुलिया थाना आलमबाग लखनऊ व अली नगर थाना कृष्णा नगर जनपद लखनऊ को थाना बदलापुर चौराहे के पास से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया ।

जलालपुर में आग से झुलसी बालिका, पुलिस अधीक्षक ने सदर अस्पताल पहुँचकर जाना हालचाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जलालपुर क्षेत्र के अंतर्गत एक छोटी बालिका के दुर्घटनावश आग में गिरने से उसके चेहरे के झुलसने का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक जौनपुर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल संज्ञान लिया। पुलिस अधीक्षक स्वयं सदर अस्पताल जौनपुर पहुँचे, जहाँ उन्होंने पीड़ित बालिका का निरीक्षण किया तथा चिकित्सकों से उसके उपचार की स्थिति की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने बच्ची से कुशलक्षेम पूछी और परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि पीड़ित बालिका के समुचित उपचार, सुरक्षा एवं आवश्यक सहायता में किसी भी प्रकार की कमी न होने दी जाए। पुलिस प्रशासन द्वारा पूरे प्रकरण पर लगातार नजर रखी जा रही है।

मनरेगा खत्म किए जाने के खिलाफ कांग्रेसियों ने की जनसभा

गरीबों, मजदूरों का हक छीनकर पूंजीपतियों को मालामाल कर रही है मोदी सरकारः राजेश तिवारी

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गरीबी की जगह गरीबों को ही खत्म कर अपनी निरंकुशता और तानाशाही नीतियों को लागू कर संविधान को समाप्त करने का काम कर रही है मोदी सरकार। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव प्रयाग जोन के प्रभारी पूर्व मंत्री राजेश तिवारी ने गरियाव बाजार में कांग्रेस पार्टी द्वारा मनरेगा बचाओ संग्राम सभा कै संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश तिवारी ने विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार को गरीबों की चिंता नहीं है उन्हें अपने पूजीपती मित्रों को लाभ पहुंचाने का ही काम हो रहा है, उन्होंने कहा कि मनरेगा ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबों, मजदूरों और महिलाओं को गारंटी के तहत गांवों में ही रोजगार देने के लिए एक क्रांतिकारी कदम था किंतु भाजपा सरकार उद्योगपतियों के इशारे पर मनरेगा कानून खत्म करके गरीब मजदूरों का शोषण करना चाहती है। कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने सभा को संबोधित भाजपा और संघ राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से नफरत करती है, गांधी का नाम मिटाने के लिए ही मनरेगा को समाप्त किया जा रहा है, प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायतों की स्वतंत्रता

और गरीबों का अधिकार छीनकर गांवों में ठीकेदारी प्रथा को लागू कर कानूनी रूप से भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने वीबी जीरामजी के नाम से नया कानून लायी है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने उपस्थित जन समूह से हांथ उठा कर संकल्प लिया कि मनरेगा कानून बहाल होने तक कांग्रेस पार्टी का आंदोलन चलता रहेगा। सभा को मनरेगा बचाओ संग्राम के कोआर्डिनेटर डा. राकेश मिश्रा मंगला गुरु, देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह ने भी संबोधित किया। ब्लाक कांग्रेस कमेटी मुंगराबादशाहपुर की अध्यक्ष राजकुमारी मिश्रा ने सबका आभार जताया, सभा का संचालन जिला उपाध्यक्ष संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया।

इस मौके पर ललित चौरसिया, संतोष पांडेय, अशोक सिंह, सूबेदार मौर्या,मीना देवी,सरिता देवी,संतरा देवी, प्रेमचंद सरोज, दयाराम सरोज, जयप्रकाश मिश्रा, मुहम्मद सैफ,आरिफ सलमानी, पवन कुमार यादव,पप्पू मौर्या, जब्बार अली सलमानी, मुन्ना मिश्रा, लोकेश दूबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने पूर्व सांसद कमला सिंह को दी श्रद्धांजलि

जनपद के विकास पुरुष थे स्व.कमला सिंहः डा.प्रमोद कुमार सिंह

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस पार्टी के पूर्व सांसद स्व.कमला प्रसाद सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी जौनपुर के अध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह की अध्यक्षता में कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं ने पूर्व सांसद कमला प्रसाद सिंह के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि स्व.कमला सिंह जनपद के विकास पुरुष के नाम से जाने जाते हैं, वे विधायक, जिलापंचायत चेयरमैन और सांसद के रूप में जौनपुर जनपद के विकास के लिए आजीवन काम करते रहे। डा.प्रमोद कुमार सिंह ने

कहा कि वे जाति, मजहब से ऊपर थे, उन्होंने कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया उनका राजनैतिक जीवन उच्च आदर्शों से परिपूर्ण रहा। इस मौके पर मुंगराबादशाहपुर की कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष राजकुमारी मिश्रा, देवराज पांडेय, शेर बहादुर सिंह, राकेश मिश्रा, ललित चौरसिया, संतोष पाण्डेय, अशोक सिंह, जयप्रकाश मिश्रा, विनय मिश्रा,सूबेदार मौर्या, लोकेश दूबे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बाल विवाह मुक्त भारत की लोगों ने खाई कसम

चंदन जायसवाल, शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना प्रांगण में मंगलवार को खुटहन पुलिस व बाल संरक्षण अधिकारी द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत जन जागरूकता कार्यक्रम के दौरान लोगों ने भारत को बाल विवाह मुक्त रखने की कसमें खाई। इस दौरान थाना खुटहन पुलिस समेत क्षेत्र के पंडित, मौलाना, वीडियोग्राफर, मैरिज लॉन संचालक, सजावट वाले, डीजे संचालक और टेंट मलिक सहित तमाम लोग उपस्थित रहे। जिला प्रोबेशनल अधिकारी के निर्देशन में थाना परिसर में आयोजित उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय के नेतृत्व में हुआ चंदन राय ने उपस्थित लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत को रखने की कसमे खिलाते हुए कानूनी विधिक बातों से अवगत कराया। बाल संरक्षण अधिकारी के उद्बोधन में बताया गया कि बाल विवाह अधिनियम 2006 के अनुसार विवाह के लिए वधू की उम्र 18 वर्ष और वर्ग की उम्र 21 वर्ष होना चाहिए इससे काम की शादी बाल विवाह के अंतर्गत आता है जो कि अवैध है इसकी शिकायत करने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा शिकायत प्रशासन के नागरिक से बाल विवाह की सूचना देने की अपील की उपर्युक्त शिकायत देने वाले पड़ोसी रिश्तेदार या अन्य लोगों का नाम गोपनीय रखा जाएगा इसके तहत शिकायत चाइल्ड नंबर 1098 पर कर सकते हैं। शिकायत करने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस मौके पर खुटहन थाना स्टाफ, पत्रकार साथी व सम्मानित लोग उपस्थित रहे।

जोनाथन नोलन का कहना है कि बॉलीवुड में वह निडरता और महत्वाकांक्षा है जो हॉलीवुड में नहीं दिखती

मुंबई। आज के वैश्विक मनोरंजन परिदृश्य में, बहुत कम निमार्ता ऐसे हैं जो जोनाथन नोलन की तरह पूर्व और पश्चिम के बीच के अंतर को संवेदनशीलता के साथ खत्म कर रहे हैं। जैसे की वह फॉलआउट सीजन 2 के प्रीमियर की तैयारी कर रहे हैं, नोलन ने एक बार फिर भारतीय सिनेमा पर बात की–उस देश के बारे में, जिसके फिल्म उद्योग को वह पहले ही हॉलीवुड से बड़ा बता चुके हैं। नोलन के लिए, भारतीय सिनेमा का उदय केवल आकार या पैमाने की बात नहीं है; यह उस रचनात्मक भावना के बारे में है, जो उन्हें पारंपरिक स्टूडियो सिस्टम में तेजी से कम होती दिखाई देती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या चीज बॉलीवुड को हॉलीवुड से खास बनाती है, तो लेखक-निर्देशक ने कहा, मुझे लगता है यह बहुत स्पष्ट है, और आप दुनिया भर में भारतीय फिल्म निर्माण के प्रति एक खास आकर्षण देख ही रहे हैं। अपने सर्वोत्तम रूप में यह निडर है। हॉलीवुड भी ऐसा हो सकता है। लेकिन (भारत में) एक ऐसी महत्वाकांक्षा है जो बेहद रोमांचक है। यह निडर दृष्टिकोण नोलन के फॉलआउट पर काम करने के अंदाज को भी दशार्ता है, जहाँ दांव बहुत ऊँचे हैं और दुनिया बनाने में कोई समझौता नहीं होता। प्रशंसित सीरीज का दूसरा सीजन अमीरों और गरीबों की कहानी को आगे बढ़ाता है, जो एक तेजी से खराब होती दुनिया में ज़िंदा रहने के लिए लगातार लड़ रहे हैं, जहाँ अब पाने के लिए लगभग कुछ भी नहीं बचा है। महाप्रलय के दो सौ साल बाद, लक्जरी फालआउट शेल्टर के शांतिप्रिय निवासी मजबूर होकर उस रेडिएटेड नरक में लौटते हैं जिसे उनके पूर्वजों ने पीछे छोड़ा था - और यह देखकर चौंक जाते हैं कि उनके लिए एक बेहद जटिल, अजीबो-गरीब, और अत्यधिक हिंसक दुनिया इंतजार कर रही है।

पूर्व छात्र परिषद द्वारा धूमधाम से मनाई गई स्वामी विवेकानंद जयंती

मनोज अग्रहरि बने पूर्व छात्र परिषद अध्यक्ष

-चंदन जयसवाल

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रतिवर्ष 12 जनवरी को मनाये जाने वाले स्वामी विवेकानंद की जयंती को नगर के सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रांगण में पूर्व छात्र परिषद द्वारा धूमधाम से मनाया गया इस दौरान वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा स्वामी जी सदा सद आचरण की प्रतिमूर्ति थे। उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना संपूर्ण विश्व करता है। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य विमलेंद्र पांडेय ने आए हुए सभी आगंतुकों का स्वागत किया तथा विस्तार से स्वामी विवेकानंद सरस्वती के समस्त कृतित्व का वर्णन किया। ईशान जायसवाल राम ने संचालन करते हुए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर की अपनी पुरानी स्मृतियों को साझा किया। वहीं आए हुए सभी पूर्व छात्रों ने अपनी पूर्व स्मृतियों को भी विस्तार से बताया।

पूर्व छात्र परिषद के महामंत्री शैलेश नाग द्वारा विद्यालय के लिए किए गए विगत वर्षों के प्रयासों को भी विस्तार से बताया गया। वहीं पूर्व छात्र परिषद के नवीन कार्यकारिणी के लिए मनोज अग्रहरि (मनोज ड्रेसेज)के नाम का सर्व सम्मति से चयन हुआ जिसका सभी बंधुओ ने हर्ष ध्वनि से स्वागत किया। कार्यक्रम में ओमप्रकाश सेठ, जौनपुर प्रेस क्लब शाहगंज के अध्यक्ष चंदन कुमार जायसवाल, अनिल मोदनवाल,मनोज पांडे, शरद जायसवाल, विद्यालय अध्यक्ष अभिषेक अग्रहरी, आदि की गरिमा मय उपस्थिति रही। पूर्व छात्रों में हरिओम गुप्ता, अभिषेक सेठ, रितेश सोनी, अशीष बरनवाल ,आशीष सेठ, अनूप साहू, रवि जायसवाल, शुभम यादव ,वेद प्रकाश जयसवाल , पवन तनय जायसवाल,विष्णु सेठ ,अमित सोनी (सनी), प्रवीण माली ,अजेंद्र अग्रहरि ,श्रीश मोदनवाल, भुवनेश्वर मोदनवाल, श्रीश अग्रहरि, रामबाबू सेठ, रुद्र प्रताप सिंह,पवन जायसवाल, तथा विद्यालय के सभी आचार्य एवं अध्यापिकाओं का विशेष सहयोग रहा।

मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर से मंदिर तोड़ने का वीडियो वायरल, अधिकारी ने किया इन्कार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के मणिकर्णिका घाट पर बुलडोजर से मंदिर तोड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुनर्विकास के काम से जुड़ा यह वीडियो अकांक्षा सिंह रघुवंशी के एकाउंट से पोस्ट किया गया है। वीडियो आठ सेकंड का है और इसमें बुलडोजर चलते हुए दिखाई दे रहा है। वीडियो में आवाज सुनाई देती है कॉरिडोर के विकास के नाम पर विनाश, देखिए कैसे मंदिरों को गिराया जा रहा है। इस वीडियो के साथ पोस्ट में दावा किया गया है कि लोग मंदिरों को तोड़ने और पवित्र स्थलों को मिटाने के लिए विरोध कर रहे हैं, जबकि विकास के नाम पर ऐसी कार्रवाई को सही ठहराया जाता है। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मणिकर्णिका घाट पर बनने वाले अत्याधुनिक शवदाह गृह का निर्माण कार्य एक अलग एजेंसी कर रही है। कोई मंदिर नहीं तोड़ा गया है। घाट के सभी मंदिरों का सुंदरीकरण किया जाएगा। विकास योजना में शामिल विशेषताए निम्न प्रकार है। दो सामुदायिक शौचालय और हरित क्षेत्र, भूतल का कुल क्षेत्रफलः 29,350 वर्ग फीट, दाह संस्कार क्षेत्रः 12,250 वर्ग फीट, प्रथम तल का कुल क्षेत्रफलः 20,200 वर्ग फीटघाट पर 32 शव प्लेटफॉर्म और प्रदूषण रहित चिमनी बड़े पैमाने पर पर्यटकों के लिए विजिटर मार्ग भूतल पर पंजीकरण कक्ष, लकड़ी भंडारण क्षेत्र, सामुदायिक प्रतीक्षा कक्ष आसपास के क्षेत्र का सुंदरीकरण और विकास रूपा फाउंडेशन के सीएसआर फंड से होने वाले काम का शिलान्यास प्रधानमंत्री ने किया

सपा प्रत्याशी संतोष गीता वसंत यादव का पलड़ा भारी, पस्त हुआ विपक्ष

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका का चुनाव प्रचार अंतिम दौर की तरफ बढ़ रहा है। सभी राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशियों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। वसोर्वा विधानसभा के वार्ड क्रमांक 59 से सपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे संतोष गीता वसंत यादव को उत्तर भारतीय और मुस्लिम मतदाताओं के साथ-साथ कोली समाज ,मराठी समाज और दक्षिण भारतीय समाज का भी खुला समर्थन मिल रहा है, जिसके चलते इस वार्ड में उनकी स्थिति काफी मजबूत हो गई है। उनकी मां गीता यादव ने कांग्रेस की नगरसेविका रहते हुए वार्ड के विकास की दिशा में अनेक काम किए थे। साथ ही संतोष यादव द्वारा पिछले अनेक वर्षों से वार्ड में लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है, जिसके चलते वार्ड की जनता का झुकाव उनकी तरफ साफ दिखाई दे रहा है। आज उन्होंने पदयात्रा के दौरान पेटलवाडी सागर कुटीर, वसोर्वा गांव, आराम नगर, पुलिस क्वार्टर, यारी रोड, गुलशन कॉलोनी जैसे अनेक क्षेत्रों में मतदाताओं से आशीर्वाद लिया। मतदाताओं ने जिस तरह से खुले दिल से उन्हें आशीर्वाद तथा समर्थन दिया, उसे यहां की तस्वीर साफ होती नजर आ रही है। अपनी मां के पदचिन्हों पर चलते हुए संतोष यादव ने लगातार मेडिकल शिविर का आयोजन कर, जरूरतमंद बच्चों को शैक्षणिक सामग्री के साथ-साथ उनकी आर्थिक मदद कर, युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित कर अपनी एक विशेष पहचान बनाई है। कांग्रेस ने उनका टिकट काटकर एक ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया है, जिसके ऊपर सोशल मीडिया के माध्यम से हिंदू और मुस्लिम महिलाओं पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है। इस बात को लेकर जनता कांग्रेस प्रत्याशी के खिलाफ पूरी तरह से आक्रोशित दिखाई दे रही है। अच्छी छवि, कार्य कुशलता, विनम्र व्यवहार और शालीनता के चलते संतोष गीता वसंत यादव का पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है।

जब कोई रोमांटिक ट्रिप बुरी तरह बिगड़ जाए, तब क्या होता है?

मुंबई। राष्ट्रीय भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 8 जनवरी 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज प्रयागराज की लव स्टोरी लॉन्च की। प्रयागराज की आत्मीय गलियों, ऐतिहासिक घाटों और सदाबहार माहौल की पृष्ठभूमि पर बनी यह सीरीज रोमांटिक गेटवे की सोच को उलट देती है और उसे एक हाई स्टेक सर्वाइवल कहानी में बदल देती है। गौरव शर्मा, अंबिका वाणी, पवित्रा पुनिया और मनीष वाधवा जैसे दमदार कलाकारों से सजी यह सीरीज रोमांस और सस्पेंस का मेल है, जहां एक युवा कपल खुद को ऐसे शहर में घिरा हुआ पाता है जो अचानक बिल्कुल अनजान लगने लगता है।

कहानी के केंद्र में हैं अंशुल सिंह और सोनिया शुक्ला, जिनकी रोमांटिक यात्रा उस वक्त खतरनाक मोड़ ले लेती है, जब वे अनजाने में खुद को एक निर्दयी गैंग के जाल में फंसा हुआ पाते हैं, जो खुद को रक्षक बताता है। भरोसे से शुरू हुई यह कहानी जल्द ही धोखे में बदल जाती है। इसके बाद कपल को घने जंगलों, तंग गलियों और भीड़ भरे बाजारों से गुजरते हुए लगातार भागना पड़ता है, ताकि उन्हें पकड़ने पर आमादा लोगों से वे एक कदम आगे रह सकें। हर मोड़ पर खतरा और बढ़ता डर उनके रिश्ते को ऐसी कसौटी पर कस देता है, जहां गलती की कोई गुंजाइश नहीं रहती।

अपने किरदार पर बात करते हुए अंशुल सिंह का रोल निभा रहे गौरव शर्मा ने कहा, अंशुल एक संवेदनशील और समझदार लड़का है, लेकिन वह सोशल मीडिया से भी काफी प्रभावित है। जब हालात हाथ से निकलने लगते हैं, तो उसके इंस्टिंक्ट्स काम करने लगते हैं। मुझे सबसे ज्यादा मजा उस बदलाव को दिखाने में आया, जहां आराम धीरे धीरे संकट में बदलता है। प्रयागराज की असली लोकेशंस पर शूटिंग करने से हर सीन में ईमानदारी आई। आप उस अफरा तफरी को महसूस करते हैं और डर को भी।

सीरीज को लेकर सोनिया शुक्ला का किरदार निभा रहीं अंबिका वाणी ने कहा, यह मेरा पहला प्रोजेक्ट था और इससे बेहतर शुरूआत की उम्मीद मैं नहीं कर सकता था। सोनिया की शुरुआत प्यार में डूबी लड़की के तौर पर होती है और धीरे धीरे वह अपनी जान के लिए लड़ने वाली इंसान बन जाती है। यह बदलाव भावनात्मक तौर पर काफी तीव्र था। जो बात मेरे साथ रह गई, वह है उसकी मजबूती। सब कुछ छिन जाने के बाद भी वह खुद पर और प्यार पर भरोसा नहीं छोड़ती।

वार्ड नंबर 28, वसई वेस्ट में महायुति की भव्य बाइक रैली, स्नेहा दुबे पंडित रहीं शामिल

वसई-विरार शहर महानगरपालिका आम चुनाव 2025-2026 के मद्देनजर वार्ड नंबर 28, वसई वेस्ट में भाजपा, शिवसेना, श्रमजीवी संगठन, आग्री सेना महायुति की ओर से एक बड़ी और अनुशासित बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित सहित महायुति के आधिकारिक उम्मीदवारों ने सहभागिता की।

रैली में उम्मीदवार (ए) नितिन जगन्नाथ ठाकुर, (बी) श्रीमती सुचिता शिवन्ना शेट्टी, (सी) श्रीमती जेनी एस. एंड्राडिस और (डी) नीलेश निशिकांत भानुशे उपस्थित रहे। बाइक रैली के माध्यम से महायुति ने विकासोन्मुख, पारदर्शी और जन-केंद्रित शासन का संदेश आम नागरिकों तक पहुँचाया।

इस अवसर पर महायुति के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक स्वेच्छा से रैली में शामिल हुए। रैली के दौरान उपस्थित लोगों ने सभी उम्मीदवारों को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि वार्ड नंबर 28 के नागरिकों से मिल रहा विश्वास, प्रेम और लगातार बढ़ता समर्थन यह संकेत देता है कि आने वाले नगर निगम चुनावों में महायुति को उल्लेखनीय सफलता प्राप्त होगी।

मीरा भायंदर की जनता शांति, सुरक्षा, विश्वास और विकास को लेकर भाजपा के साथ: एड रवि व्यास

भायंदर। मीरा भायंदर महानगरपालिका चुनाव में भाजपा शानदार विजय हासिल करने जा रही है। शांति, सुरक्षा, विश्वास और विकास को लेकर जनता भाजपा के साथ खड़ी दिखाई दे रही है। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पत्रकारों से बात करते हुए मीरा भायंदर के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट रवि व्यास ने उपरोक्त बातें कही। उन्होंने कहा कि शहर के विकास और सौंदर्यीकरण की दिशा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और विधायक नरेंद्र मेहता द्वारा किए गए कार्यों को जनता देख रही है। लोग शांति और सुरक्षा के बीच रहकर विकास चाहते हैं,जो सिर्फ और सिर्फ बीजेपी दे सकती है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से बीजेपी 70 पार के साथ अपना महापौर बनाने जा रही है।

गैंगेस्टर एक्ट के मामले में विधायक अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से मिली सशर्त जमानत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। विधायक अब्बास अंसारी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने यूपी के विधायक अब्बास अंसारी को गैंगस्टर एक्ट मामले में नियमित जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि इस जमानत में अब्बास अंसारी यूपी से बाहर तो जा सकते हैं लेकिन उन्हें इससे पहले ट्रायल कोर्ट को जानकारी देनी होगी।इस जानकारी में उन्हें अपना कॉन्टेक्ट नंबर, और कहां जा रहे हैं इसकी पूरी जानकारी देनी होगी। दरअसल यह मामला चित्रकूट जिले से जुड़ा हुआ है। चित्रकूट के कर्वी कोतवाली में 31 अगस्त 2024 को जबरन वसूली और मारपीट के मामले में अब्बास विधायक अब्बास अंसारी और अन्य के खिलाफ FIR दर्ज कराई गई थी। इसी आधार पर अब्बास अंसारी पर उत्तर प्रदेश और असामाजिक गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1986 के तहत मामला दर्ज किया गया था।

मिजार्पुर में डबल मर्डर: सौतेले बेटे ने मां-भाई को धारदार हथियार से मार डाला, महिला का शव नहर में मिला

मिजार्पुर (उत्तरशक्ति)। जिले में मड़िहान इलाके में मां और बेटे की धारदार हथियार से हत्या की गई है।हत्या को अंजाम सौतेले बेटे ने संपत्ति विवाद में दिया। बेटे का शव घर में मिला जबकि, मां का शव नहर से पुलिस ने बरामद किया है । पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.पुलिस के मुतबिक, मां और बेटे की धारदार हथियार से हत्या सोते समय सोमवार की रात की गई है । इसके बाद आरोपी ने मां का शव नहर में फेंक दिया । घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची तो बेटे का शव घर से बरामद हुआ । पुलिस ने बताया कि मड़िहान बाजार के आयुष गुप्ता (32) और उनकी मां ऊषा गुप्ता (62) रात में घर के बरामदे में सोए थे । आधी रात ऊषा का सौतेला बेटा राहुल पहुंचा और दोनों पर धारदार हथियार से हमला कर दिया । इसमें मां-बेटे की मौत हो गई, राहुल ने मां का शव घर से लगभग दो सौ मीटर दूर नहर में ले जाकर फेंक दिया। सुबह इलाके के लोग उधर से गुजरे तो नहर के पास खून देखा । इसके बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई. इस बीच घर में आयुष का शव पड़ा होने की सूचना मिली। संदेह के आधार पर आरोपी राहुल को पकड़ा तो उसने बताया कि मां का शव उसने नहर में फेंक दिया है। जिसके बाद शव तलाशा गया । मड़िहान थाना प्रभारी बालमुकुंद मिश्र के मुताबिक, आयुष के पिता प्रेमचंद ने दो शादी की थी । पहली पत्नी से एक बेटा राहुल और बेटी गुंजा है तो वहीं दूसरी पत्नी ऊषा से दो बेटियां व एक बेटा आयुष था. प्रेमचंद की मौत के बाद से दोनों में संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था । वहीं, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन मनीष मिश्रा ने बताया कि सौतेले बेटे ने संपत्ति विवाद में मां और भाई की हत्या की है । आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दोनों के शव पुलिस ने पोस्टमार्टम को भेज दिए हैं। आरोपी से पूछताछ की जा रही है ।

कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा

जौनपुर (उत्तरशक्ति) ।जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने सभी बैंकों के प्रतिनिधियों एवं शाखा प्रबंधकों के साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि जितने भी आवेदन स्वीकृत हो चुके है उसमें शीघ्र ऋण वितरण की कार्यवाही कराना सुनिश्चित किया जाए।

ठाणे के उत्तरभारतीय बहुल इंदिरानगर में भोजपुरी स्टार की सभा में उमड़ी भीड़

0-निरहुआ व आम्रपाली ने की महायुती उम्मीदवार को जिताने की अपील

0-महायुती उम्मीदवार अमित सरैया ने किया स्वागत, नागरिकों में दिखा भारी उत्साह

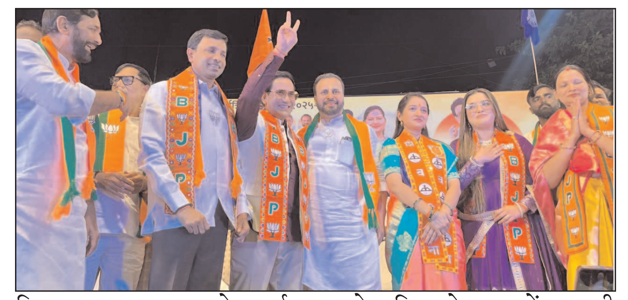

ठाणे (उत्तरशक्ति)। मनपा चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में सभी दल अपने तरीके जोर लगा रहे हैं जबकि महायुती ने तो अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एकनाथ शिंदे और शिवसेना का गढ़ कहे जाने वाले ठाणे में महायुती के रूप में बीजेपी अपने उम्मीदवारों को जिताने में कोई कसर नहीं रख रही है. पार्टी ने चुनाव प्रचार में नेताओं से लेकर अभिनेताओं की फौज उतार दी है. वागले इस्टेट के उत्तर भारतीय बहुल वार्ड 15 में तो सोमवार को भोजपुरी स्टार व पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, भोजपुरी फिल्मों की अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की प्रचार सभा आयोजित की गई. भोजपुरी स्टारों की प्रचार सभा में हजारों लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी. दिनेशलाल यादव निरहुआ एवं आम्रपाली दुबे ने मतदाताओं से महायुती के उम्मीदवार अमित सरैया, सुरेश काम्बले, यज्ञा योगेश भोईर और अनिता दयाशंकर यादव के लिए प्रचार कर जनता से समर्थन मांगा. इसी तरह कलवा में भी इनकी सभा आयोजित की गई. इंदिरानगर सहित उत्तरभारतीय बहुल इलाकों में बीजेपी ने दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दुबे के साथ उत्तर भारतीय नेता कृपाशंकर सिंह, यूपी के विधायक रमेश मिश्र, अवधेश सिंह, ठाणे बीजेपी के उत्तरभारतीय नेता योगेश दुबे, शिवसेना विभाग प्रमुख एकनाथ भोईर, कुलदीप तिवारी आदि पदाधिकारियों को प्रचार में उतार कर जोर लगाया है. इंदिरा नगर की अपनी प्रचार सभा में दिनेश लाल निरहुआ एवं आम्रपाली दुबे ने अपनी खास शैली में महायुती के उच्च शिक्षित उम्मीदवार अमित जयसिंह सरैया सहित चारों उम्मीदवार को जिताने की अपील करते हुए नजर आए. निरहुआ ने कहा कि मतदाताओं और युवाओं का उत्साह देखते हुए हमारे बीजेपी महायुती के उम्मीदवारों की भारी वोटों से जीत तय है. उन्होंने दावा किया कि मुंबई, ठाणे सहित पूरे राज्य में महायुती समर्थन में लहर चल रही है. अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने कहा कि सभी लाडली बहना और हमारे युवा भाई बीजेपी की राष्ट्र भावना से प्रेरित हैं. यहां का उत्तरभारतीय समाज बीजेपी शिवसेना के पक्ष में समाज एकजुट हो गया है. दिनेश लाल निरहुआ ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विकास के विजन को आगे ले जाने के लिए टीएमसी, बीएमसी सहित सभी एमएमआर की मनपा में महायुती की सत्ता जरूरी है. इसलिए, ठाणे सहित पूरे एमएमआर में महायुती को जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है. प्रचार के अंतिम चरण में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी ठाणे के अपने गढ़ में बीजेपी शिवसेना महायुती के अधिकृत उम्मीदवारों को ही जिताने की अपील की. कुछ प्रभागों में शिवसेना के बागी उम्मीदवार भी निर्दलीय के रूप में खड़े हो गए हैं. बागियों के खिलाफ पार्टी नेताओं ने निलंबन की कार्रवाई की है.

भारत के सुपर फाउंडर्स का ट्रेलर एमेजॉन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज

मुंबई। एमेजॉन एमएक्स प्लेयर, एमेजॉन की फ्री वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा, ने आज अपने आगामी उद्यमिता आधारित रियलिटी शो भारत के सुपर फाउंडर्स का ट्रेलर लॉन्च किया, जो एक ऐसे हाई-स्टेक्स पिच रूम की झलक दिखाता है, जहाँ महत्वाकांक्षाओं की परीक्षा होती है, बिजनेस आइडियाज को बारीकी से परखा जाता है और असली निवेश से जुड़े फैसले लिए जाते हैं। यह शो 16 जनवरी 2026 से एमेजॉन एमएक्स प्लेयर पर मुफ्त स्ट्रीम किया जाएगा, शो को अभिनेता सुनील शेट्टी होस्ट और मेंटर कर रहे हैं, जो देश के नामचीन बिजनेस दिग्गजों के एक प्रतिष्ठित पैनल के साथ मिलकर उन नए भारतीय उद्यमियों को समर्थन देंगे, जो स्पष्ट सोच, अनुशासन और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ अपने व्यवसाय खड़े कर रहे हैं। रस्क मीडिया और रिकर क्लब द्वारा निर्मित, भारत के सुपर फाउंडर्स को स्टॉकग्रो और लेगेसी कलेक्टिव द्वारा को-पावर्ड किया गया है, जिसमें जना स्मॉल फाइनेंस बैंक स्टार्ट अप बैंकिंग पार्टनर, वनप्लस पैड3 प्रोडक्टिविटी पार्टनर और बॉलर्स पेट फूड पार्टनर हैं। भारत के सुपर फाउंडर्स खुद को उन फाउंडर्स के लिए एक मजबूत मंच के रूप में पेश करता है, जिनकी दीर्घकालिक सोच है और जो जमीनी स्तर पर अपने आइडियाज को साकार करने की क्षमता रखते हैं। ट्रेलर में 100 करोड़ रुपए के निवेश फंड को खास तौर पर दिखाया गया है, जो किसी भी भारतीय उद्यमिता आधारित रियलिटी शो के लिए अब तक की सबसे बड़ी निवेश प्रतिबद्धता है। यह निवेश देश के जाने-माने उद्योगपतियों के पैनल और रिकर क्लब के सहयोग से किया गया है। इस शो का फोकस भारत के अलग-अलग हिस्सों से आने वाले उद्यमियों पर है, जिनमें छोटे शहरों और उभरते बाजारों के फाउंडर्स भी शामिल हैं, जो वास्तविक जरूरतों पर आधारित और बड़े स्तर पर आगे बढ़ सकने वाले बिजनेस खड़े कर रहे हैं। जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, भारत के सुपर फाउंडर्स भारत से निकलने वाले दमदार आइडियाज के लिए एक मजबूत मंच तैयार करता है। इसमें छोटे शहरों से आने वाले और अलग-अलग उम्र के उन फाउंडर्स को खास तौर पर दिखाया गया है, जो अपनी असली जरूरतों और जीवन के अनुभवों से जुड़े बिजनेस खड़े कर रहे हैं। इस शो का पिच रूम सच्चे और प्रमाणित बिजनेस आइडियाज को प्राथमिकता देता है, जहां उद्यमी अपने विचार पूरे भरोसे और साफ सोच के साथ पेश करते हैं। साथ ही उन्हें उद्योग जगत के दिग्गजों से सीधा, बेझिझक और बिना फिल्टर का फीडबैक भी मिलता है। ट्रेलर में बड़े फैसलों का दबाव और भावनात्मक पल दोनों देखने को मिलते हैं, जहां फाउंडर्स खुलकर अपने जोखिम, असफलताओं और भारत में बिजनेस खड़ा करने के लिए जरूरी जज्बे और हिम्मत के बारे में बात करते हैं। 100 करोड़ रुपए के निवेश पूल और रिकर क्लब के सहयोग से इक्विटी और डेट फाइनेंसिंग के आधुनिक संयोजन के साथ, यह सीरीज खुद को एक भरोसेमंद, हाई-स्टेक प्लेटफॉर्म के रूप में पेश करती है, जहाँ महत्वाकांक्षा को मेंटरशिप मिलती है, और नए भारत को आकार देने वाले आइडिया को असली विश्वास और असली पूंजी मिलती है।

सफलता से पहले लक्ष्य निर्धारण जरूरी: एएन पाठक

0-साइबर इंस्टिट्यूट में हुआ जौनपुर जीनियस 2025 का पुरस्कार वितरण

0-कक्षा 9 की खुशी कन्नौजिया को मिला जौनपुर जीनियस 2025 का खिताब

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर स्थित मियांपुर में साइबर इंस्टिट्यूट परिसर में रविवार को जौनपुर जीनियस 2025 के द्वितीय चरण की प्रतियोगिता व पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्ति जेलर एएन पाठक ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि के हाथों प्रतियोगिता में सफल छात्र-छात्राओं को शील्ड, मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। एएन पाठक ने कहा कि सफलता हासिल करने से पहले लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी है। लक्ष्य निर्धारित करके उसके अनुरूप पूर्ण रूप से समर्पित होकर तैयारी करने पर सफलता निश्चित रूप से मिलती है। कहा कि जीवन में संघर्ष करने से कभी हार नहीं माननी चाहिए, सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए। वरिष्ठ पत्रकार राजेश मौर्य, शिक्षक दिनेश यादव, आयकर विभाग में कार्यरत आरिफ अंसारी, शिक्षिका पूजा पाठक ने भी संबोधित किया। संस्था के निदेशक राजीव पाठक ने कहा कि संस्था के संस्थापक स्व. विनोद गुप्ता जौनपुर के छात्रों के लिए एक प्रतियोगी मंच दे गए हैं, जिसको हम लगातार छात्रों के बीच में उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रतियोगिता के संयोजक मंगल चौहान ने बताया कि इस वर्ष इस प्रतियोगिता में लगभग 30 विद्यालय व महाविद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया जिसमें प्रथम व द्वितीय चरण की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें कक्षा 9 की छात्रा खुशी कन्नौजिया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुराग पांडेय व धीरज सिंह को साइबर रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रबंधक अनुज पटेल ने आभार व्यक्त किया। अध्यक्षता संस्थाध्यक्ष विजयलक्ष्मी पाठक ने की। कार्यक्रम को सफल बनाने में सेंटर कॉर्डिनेटर रश्मि पाठक, काजल बिंद, ऋतु निषाद, विशाल, शिवम, शुभांशु आदि ने सहयोग किया।

छेड़खानी के आरोपी को 4 वर्ष की कैद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज थाना क्षेत्र में 10 वर्ष पूर्व नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोपी युवक को अपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय रूपाली सक्सेना की अदालत ने 4 वर्ष के कठोर कारावास व 6000 अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन कथानक के अनुसार महराजगंज थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता ने अभियोग पंजीकृत करवाया कि 27 मार्च 2016 को शाम 7 बजे वह शौच के लिए गई थी तभी उसके गांव का रहने वाला भोले पुत्र रामरूप उसके साथ जबरदस्ती छेड़छाड़ करने लगा जिसकी शिकायत करने पर उसने मारपीट भी किया। शासकीय अधिवक्ता वेद प्रकाश तिवारी व रमेश चंद्र पाल के सम्यक पैरवी से अदालत ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए उक्त दंड से दंडित किया।

सिद्धेश तावड़े वॉर्ड नंबर 24 जीत की ओर

वसई। वसई-विरार महानगरपालिका चुनावों की पृष्ठभूमि में वॉर्ड नंबर 24 (ऊ) में राजनीतिक सरगर्मियाँ तेज होती नजर आ रही हैं। इस वार्ड में स्थानीय स्तर पर सक्रिय और जनसंपर्क से जुड़े नेतृत्व को लेकर नागरिकों के बीच व्यापक चर्चा चल रही है। इन्हीं चचाओं के केंद्र में उभरता नाम है–सिद्धेश तावड़े। सामाजिक, युवा और संगठनात्मक क्षेत्रों में लंबे समय से सक्रिय सिद्धेश तावड़े ने एक साधारण कार्यकर्ता के रूप में अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी। विभिन्न संगठनात्मक जिम्मेदारियाँ निभाते हुए उन्होंने वसई-विरार क्षेत्र में युवाओं, श्रमिकों, नागरिक समस्याओं और सांस्कृतिक गतिविधियों में निरंतर भागीदारी की है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा युवा मोर्चा, विधानसभा स्तर पर समन्वय और जिला-स्तरीय जिम्मेदारियों के अनुभव ने उन्हें प्रशासनिक प्रक्रियाओं और स्थानीय मुद्दों की गहरी समझ प्रदान की है।

लेबर राइट्स, रोजगार सुरक्षा, युवा सशक्तिकरण और स्थानीय विकास जैसे विषयों पर लगातार फॉलो-अप करने वाले नेता के रूप में सिद्धेश तावड़े की पहचान बनी है। श्री शिव प्रहार प्रतिष्ठान और अन्य सामाजिक संगठनों के माध्यम से हर वर्ष बड़े, अनुशासित और संगठित तरीके से दही हांडी उत्सव का आयोजन, साथ ही शिव जयंती के अवसर पर सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक गतिविधियों ने उन्हें वार्ड के अनेक परिवारों से सीधे जोड़ा है। वार्ड में यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि चुनाव प्रबंधन, कोऑर्डिनेशन और ज़िम्मेदारी वाले विभिन्न रोल्स से मिला अनुभव स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के कामकाज में प्रभावी साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि वॉर्ड 24 डी में युवा नेतृत्व, मजबूत संगठनात्मक कौशल और लगातार जनसंपर्क राजनीतिक समीकरणों में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। एक ओर बहुजन विकास अघाड़ी की पारंपरिक राजनीति है, तो दूसरी ओर संगठनात्मक अनुभव और विकास-केंद्रित सोच वाली नई नेतृत्व शैली। ऐसे में वॉर्ड 24 (ऊ) के मतदाता विकास, पारदर्शिता और कार्यक्षमता जैसे मुद्दों पर किस दिशा में फैसला लेते हैं, इस पर पूरे राजनीतिक परिदृश्य की निगाहें टिकी हुई हैं।

हितेंद्र ठाकुर की टिप्पणियों पर भाजपा ने किया कड़ा विरोध

विरार। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लेकर बहुजन विकास अघाड़ी के नेता हितेंद्र ठाकुर की टिप्पणियों पर भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज किया है। BJP ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की जाति और भाषा को लेकर की गई टिप्पणी निंदनीय है और यह ठाकुर तथा उनकी पार्टी की राजनीतिक सोच को दशार्ती है। भाजपा नेताओं ने कहा कि वसई-विरार महानगरपालिका पर लंबे समय तक बहुजन विकास अघाड़ी का नियंत्रण रहने के बावजूद शहर को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल सकीं। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट में भ्रष्टाचार, CAG ऑडिट की आपत्तियां, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा लगाया गया जुमार्ना और करोड़ों रुपये के कथित फिजूलखर्च का भी जिक्र किया गया। BJP ने आरोप लगाया कि मनपा के दौरान अवैध निर्माण, जल आपूर्ति में असमानता, नालों की चौड़ाई कम होना, बाढ़ की समस्या, अधूरी इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं और एस्टेट डिपार्टमेंट का अभाव जैसे गंभीर मुद्दों को नजरअंदाज किया गया। पार्टी ने यह भी सवाल उठाया कि उक्ळड प्लान के तहत रिजर्व 872 प्लॉट्स में से बचे 816 प्लॉट कहां गए।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी आरोप लगाया गया कि बहुजन विकास अघाड़ी के शासनकाल में 5 लाख परिवारों पर अवैध प्रॉपर्टी के नाम पर आर्थिक दंड लगाया गया, जिसे हटाने की कोई ठोस कोशिश नहीं की गई। भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि वसई-विरार की जनता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर की गई व्यक्तिगत और आपत्तिजनक टिप्पणियों को बर्दाश्त नहीं करेगी।